माघ शुक्ल पक्ष-9, 2080 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-07, अंक - 244 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
18 फरवरी 2024 रविवार

आज का मौसम
29 अधिकतम
17 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page- 7

सियासी संडे

कमलनाथ के कांग्रेस छोड़ने की आशंकाओं से मध्यप्रदेश में सरगर्मी बढ़ी

कमलनाथ आज थामेंगे भाजपा का दामन, कांग्रेस का गणित बिगाड़ेंगे

नई दिल्ली/भोपाल, दोपहर मेट्रो

कांग्रेस नेता कमलनाथ के भाजपा का दामन थामने की अटकलों के बीच सियासी बवाल मचा हुआ है। कांग्रेस के कुछ और नेताओं की भाजपा में जाने की आशंका बढ गई है। वहीं आज शाम को कमलनाथ की पीएम मोदी से मुलाकात की भी चर्चा तेज है। माना जा रहा है कि कमलनाथ यदि भाजपा का दामन थामते हैं तो उनके साथ करीब दर्जनभर विधायक भी कांग्रेस छोड़ सकते हैं। वहीं दिग्विजय ने आज कहा पार्टी ने उन्हों सबकुछ दिया है मगर ईडी, सीबीआई, आईटी का दबाव सब पर है। मुझे नहीं लगता कमलनाथ किसी दबाव में आएंगें वे हमारे व नेतृत्व के संपर्क में हैं। मगर हाल के कुछ साल में कांग्रेस के आठ ऐसे नेता पार्टी छोड़ चुके हैं जो मुख्यमंत्री रहे हैं। इधर मप्र कांग्रेस अपने विधायकों से संपर्क में है और इन्हें रोकने या एकजुट रखने के हरसंभव जतन कर रही है। कांग्रेस को आशंका है कि यदि भगदड़ ज्यादा बढी तो राज्यसभा में कांग्रेस उम्मीदवार अशोक सिंह का गणित गड़बड़ा सकता है। करीब दर्जनभर विधायक दिल्ली में हैं।

साभार

अशोक चाव्हाण

अमरिन्दर सिंह

कामत

विजय बहुगुणा

नारायण राणे

एसएम कृणा

किरण कुमार

पेमा खांडू

मैं विश्वनाथ की बात करता हूं, कमलनाथ की नहीं: जयराम

कमलनाथ व उनके सांसद पुत्र नकुलनाथ के पार्टी छोड़ने की चर्चा के बीच कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कुछ कहने से इंकार किया है और यह कहा कि 'मैं सिर्फ काशी विश्वनाथ की बात करता हूं, कमलनाथ की नहीं।' रमेश अभी राहुल की भारत जोड़ो न्याय यात्रा के साथ है और यात्रा उत्तर प्रदेश के भदोही में रूकी हुई है क्योंकि राहुल अपने संसदीय क्षेत्र वायनाड गए हुए हैं। वे आज दोपहर तीन बजे लौटेंगे तब यात्रा शरू होगी।

मनीष तिवारी भी छोड़ेंगे कांग्रेस

कमलनाथ ऐपिसोड के चलते कांग्रेस की मुश्किलों में अब मनीष तिवारी का नाम जुड़ रहा है। पंजाब के आनंदपुर साहिब से कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी भाजपा के संपर्क में बताए जा रहे हैं। वे अब भाजपा के चुनाव चिन्ह पर लुधियाना लोकसभा से चुनाव लड़ना चाहते हैं। मगा भाजपा में पेंच यह है कि लुधियाना में उसके पास मजबूत उम्मीदवार है, लिहाजा दुविधा बन रही है। तिवारी सांसद होने के साथ वकील भी हैं। कांग्रेस की सरकार में वे केंद्र में सूचना और प्रसारण मंत्री रहे हैं। वे तिवारी 1988 से 1993 तक भारतीय राष्ट्रीय छात्र संघ के अध्यक्ष थे . और 1998 से 2000 तक भारतीय युवा कांग्रेस के अध्यक्ष भी रहे।

कमलनाथ खेमा दुविधा में

इधर कमलनाथ के समर्थक दुविधा में हैं। जानकारों की मानें तो वे नाथ के भाजपा में जाने के संभावित फैसले के साथ जाने या न जाने के संशय में फंस गये हैं। बताया तो यह भी जा रहा है कि छिंदवाडा क्षेत्र के ही दो विधायक इसी असमंजस के शिकार हैं। वहीं नाथ के प्रबल समर्थक व पूर्व मंत्री हुकुमसिंह कराड़ा नेकहा है कि मैं कांग्रेस का निष्ठावान कार्यकर्ता सिपाही हूं,कांग्रेस ने मुझे सब कुछ दिया व तीन बार कैबिनेट मंत्री भी बनाया हैं, भला मैं इसे कैसे छोड़ सकता हूं।

तो किस डील के तहत जाएंगे नाथ :

कांग्रेस के गलियारों में सवाल यह है कि कमलनाथ किस डील के तहत भाजपा से हाथ मिलायेंगे। क्योंकि मप्र से वे विधायक अभी हैं, उनके बेटे नकुलनाथ सांसद भी हैं। जानकारों का मानना है कि यदि वे भाजपा में जाते हैं तो संभवत खुद लोकसभा का चुनाव लडेंगे और बेटे को विधानसभा में भेजेंगे। यह भी माना जा रहा है कि यदि ज्योतिरादित्य सिंधिया लोकसभा का चुनाावलडेंगे तो उनकी रिक्त राज्यसभा सीट पर कमलनाथ को भेजा जा सकता है।

डरपोक लोगों से पार्टी नहीं बनती

इस बीच नाथ के मामले में शिवसेना सांसद संजय राउत ने कहा है कि हमारी शिवसेना के भी कुछ लोग चले गए हैं, इससे क्या फर्क पड़ता है। राउत ने कहा कि ऐसे लोग डरपोक होते हैं, जो पार्टी के नाम पर पैसा और धन कमाते हैं तो वो ईडी के डर से जाते हैं। ये बेईमान और बेवफा लोग होते हैं। 2024 में जब मध्य प्रदेश के लोकसभा चुनाव होंगे, तो पता चलेगा इस शख्स की हैसियत क्या है। हालांकि शिवसेना नेता ने आगे कहा कि अगर वे भाजपा में जाना चाहते हैं तो जाएं, लेकिन मुझे नहीं लगता कि कमलनाथ जाएंगे। वैसे भी पार्टी तो कार्यकर्ता से बनती है।

उधर उप्र में फंसा पेंच, सपा परेशान

उत्तर प्रदेश में राज्यसभा चुनाव अब रोचक हो गया है। उच्च सदन की यहां 10 सीटें हैं, जबकि उम्मीदवारों 11 हो गए हैं। बीजेपी ने 8 उम्मीदवारों का ऐलान किया है, जबकि सपा तीन का। मगर सपा के सहयोगी दलों ने किनारा करना शुरू कर दिया है। वहीं भाजपा ने संजय सेठ को आठवें उम्मीदवार के रूप में उतार दिया है। जेल में बंद विधायकों को वोट दिलाने के लिए सपा कानूनी प्रक्रिया का सहारा ले रही है। चर्चा है कि समाजवादी पार्टी के विधायक इंद्रजीत सरोज अपने 3-4 विधायकों के साथ भाजपा के संपर्क में हैं।

अधिवेशन : इंडिया गठबंधन पर बरसे शाह, पारिवारिक गठजोड़ करार दिया

नई दिल्ली , एजेंसी।

भाजपा का राष्ट्रीय अधिवेशन आज अपराह्न प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संबोधन के साथ समाप्त होने वाला है। उनका संबोधन भाजपा की चुनावी रणनीति के लिये बहुत महत्वपूर्ण माना जा रहा है। भाजप ने संकेत दिया कि वह चुनाव में जनता के बीच विपक्ष की जाति आधारित राजनीति बनाम मोदी की विकासवाद की नीति का विमर्श रखेगी। आज केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने अपने संबोधन में कांग्रेस और विपक्षी दलों के गठबंधन पर जमकर निशाना साधा व कहा कि इंडिया गठबंधन 7 परिवारों का गठबंधन है। सोनिया गांधी अपने बेटे को पीएम बनाना चाहती है। शरद पवार अपनी बेटी को सीएम बनाना चाहते हैं। लालू यादव अपने बेटे को, तो ममता बनर्जी अपने भतीजों को सीएम बनाना चाहती हैं। शाह ने बताया कि किस तरह नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश 2047 में विकसित राष्ट्र बनने जा रहा है। राष्ट्रीय अधिवेशन के पहले दिन राजनीतिक प्रस्ताव रखा गया जिसमें मोदी की गारंटी, किसान कल्याण और नारी शक्ति वंदन अधिनियम समेत कई अन्य मुद्दे को शामिल किया गया। वहीं आज पार्टी के अध्यक्ष जेपी नड्डा ने राम मंदिर निर्माण का विशेष जिक्र किया। मंत्री राजनाथ सिंह ने मोदी सरकार की 10 वर्ष की उपलब्धियां गिनाते हुए तीसरी बार भी एनडीए की सरकार बनने का दावा किया।

पुतला खड़ाकर भ्रम फैला रहा विपक्षः यादव

मप्र के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने अधिवेशन मे कहा कि विपक्षी दलो का गठबंधन सिर्फ अपनी फसल को बचाने के लिये हैं, यह ठीक वैसा ही है जैसे खेत में किसी पुतले को खड़ा किया जाता है। यादव ने कहा कि विपक्ष ओबीसी की बात करता है लेकिन भाजपा सरकार ने ओबीसी समेत तमाम वर्ग के हित में ठोस फैसले ले लिये हैं।

हिम्मत है तो लगाएं राष्ट्रपति शासन, मिथुन व भाजपा पर बिफरी टीएमसी

कोलकाता, एजेंसी।

बंगाल के संदेशखाली मुद्दे पर बंगाल की राजनीति बेहद गरमाई हुई है। भाजपा नेताओं ने बंगाल में बिगड़ती कानून व्यवस्था के मुद्दे पर राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू करने की मांग करके सत्ताधारी टीएमसी को परेशान कर दिया है। टीएमसी ने आज भाजपा की राष्ट्रपति शासन लागू करने की मांग पर कहा कि 'मैं चुनौती देता हूं कि भाजपा में हिम्मत है तो यहां (पश्चिम बंगाल) राष्ट्रपति शासन लगाकर दिखाइए। हमें डराने की कोशिश मत कीजिए।'

टीएमसी ने मिथुन चक्रवर्ती का संदेशखाली पर दिया गया बयान आधारहीन बताया है। दरअसल भाजपा नेता और केंद्रीय राज्यमंत्री दर्शना जरदोश ने बंगाल में राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग की। उन्होंने कहा कि एक महिला सीएम होते हुए उन्हें (ममता बनर्जी) जिम्मेदारी लेनी चाहिए और इस्तीफा देना चाहिए। ज्ञात हो कि उत्तरी 24 परगना जिले में स्थित संदेशखाली में बीते करीब 10 दिनों से हंगामा चल रहा है। संदेशखाली में महिलाओं ने आरोप लगाए हैं कि टीएमसी नेता शाहजहां शेख और उसके सहयोगियों ने स्थानीय लोगों की जमीन पर कब्जा कर लिया है। कई महिलाओं ने यौन शोषण के भी आरोप लगाए हैं, महिलाओं का विरोध प्रदर्शन जारी है।

आचार्य विद्यासागर ने देह त्यागी, आज ही अंतिम संस्कार

राजनांदगांव, एजेंसी।

आचार्य श्री विद्यासागरजी का आज तड़के निधन हो गया। उन्होंने रात 2.30 बजे संल्लेखना पूर्वक समाधि (देह त्याग दी) ले ली। छत्तीसगढ के डोंगरगढ स्थित चन्द्रगिरी तीर्थ पर उन्होंने अंतिम सांस ली। उनका अंतिम संस्कार आज रविवार दोपहर में किया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विद्यासागर महाराज के निधन पर शोक व्यक्त किया है। मप्र के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने आचार्य के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है तथा कैबिनेट मंत्री चैतन्य कश्यप को मप्र सरकार की ओर से मुनि की अंतिम यात्रा में सम्मिलित होने भेजा है। आचार्य का जन्म 10 अक्टूबर 1946 को कर्नाटक के सदलगा गांव में हुआ था।

बार्डर पर छह दिन से डटे किसान आज सरकार से चौथे दौर की चर्चा

नई दिल्ली , एजेंसी।

किसानों ने अपनी मांगों को लेकर 'दिल्ली चलो मार्च' का ऐलान वापस नहीं लिया है और दिल्ली की बार्डर पर डटे हुए हैं। हरियाणा के शंभू बॉर्डर पर इनका भारी जमावडा है। यहां डेरा डाले हुए किसानों को छह दिन हो चुके हैं। इस बीच आज चंडीगढ़ में किसान नेताओं और सरकार के बीत चौथे दौर की वार्ता हो रही है। इस बैठक से पहले इस आंदोलन का नेतृत्व कर रहे किसान नेता सरवन सिंह पंढेर ने कहा, ÷शंभू बॉर्डर पर डटे हुए हमें छह दिन हो गए हैं और आज वार्ता भी हो रही है, जब सरकार से हमने वार्ता की है तो सरकार ने कहा कि हमें समय तो हम केंद्र के साथ उनके बड़े मंत्रियों से बात करके इसका हल निकालेंगे. जिस तरह आप जानते हैं कि 27 रुपये में हम प्रतिदिन गुजारा करते हैं. लगातार किसान और मजदूर की हालत बिगड़ रही है. जो हम लागत खर्चा लगा रहे हैं कि बीज, खाद, खेती मशीनगरी, मजदूर के खर्चों में लगातार बढ़ोतरी हो रही है, लेकिन जो हमें फसलों के दाम दिए जाते हैं, वो हमें कभी भी उचित नहीं मिले. जैसे हम एमएसपी, कम से कम जो सहायता मूल्य दिया जाता है, इसके नाम से स्पष्ट होता है कि हमें कभी भी उचित नहीं मिला।

मेट्रो एंकर

चंद्रयान 4 पर काम कर रहा इसरो

अब चांद से लाया जाएगा मिट्टी का नमूना!

श्रीहरिकोटा/नई दिल्ली, एजेंसी।

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) चंद्रयान-4 के प्रक्षेपण के लिए अपनी योजना पर 'आंतरिक' चर्चा कर रहा है। वह इस सिलसिले में एक 'अनूठा डिजाइन' और 'उच्च प्रौद्योगिकी' विकसित कर रहा है। एक शीर्ष अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी।

अगस्त 2023 में चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर चंद्रयान-3 के सफल प्रक्षेपण के बाद इसरो ने चांद की सतह से मिट्टी धरती पर लाने के लिए एक और 'जटिल' मिशन की योजना बनाई है। इसरो के अध्यक्ष एस. सोमनाथ ने शनिवार को जीएसएलवी-एफ14/इनसैट-3डीएस उपग्रह के सफल प्रक्षेपण के बाद कहा कि अंतरिक्ष एजेंसी चंद्रयान-3 की सफलता के बाद भविष्य में चंद्रयान-4, 5, 6 और 7 मिशन भेजना चाहती है। सोमनाथ ने कहा, 'हम इस पर काम कर रहे हैं कि चंद्रयान-4 अंतरिक्ष यान में क्या-क्या होना चाहिए। पहला सवाल यह है कि चंद्रयान-4 में (उपकरण के रूप में) क्या-क्या होना चाहिए...।'

सोमनाथ ने कहा कि यह देखते हुए कि योजना कुछ अलग करने की है, 'पहली चीज हमने यह तय की कि चंद्रयान-4 के जरिये चंद्रमा की मिट्टी का नमूना पृथ्वी पर लाया जाए। हम इसे रोबोटिक तरीके से करना चाहते हैं। इसलिए, यही चर्चा चल रही है।' उन्होंने कहा, 'हम सभी इस चर्चा में शामिल हैं कि उपलब्ध रॉकेटों के साथ यह काम कैसे किया जाए। आप जानते हैं कि चंद्रमा पर जाना, नमूना लाना बहुत जटिल काम है...।' अंतरिक्ष विभाग के सचिव ने कहा कि वैज्ञानिक चंद्रयान-4 मिशन के लिए एक उच्च स्तरीय प्रौद्योगिकी विकसित करेंगे। उन्होंने कहा, 'इस मिशन को पूरा करने के लिए हम उच्च प्रौद्योगिकी विकसित कर रहे हैं। सरकार की मंजूरी के बाद हम जल्द ही इस बारे में बताएंगे।... अभी इंतजार करें।'

बडी राहतः पेटीएम की क्यूआर कोड सर्विस 15 मार्च के बाद भी जारी रहेगी

नई दिल्ली , एजेंसी।

भारत में क्यूआर कोड या ऑनलाइन मोबाइल पेमेंट सर्विसेज देने वाली कंपनी पेटीएम को संकट के बीच अब राहत मिली है, भारतीय रिजर्व बैंक ने इसकी बैंकिंग शाखा पेटीएम पेमेंट्स बैंक पर लगाए बैन की डेडलाइन को 15 मार्च 2024 तक के लिए बढ़ा दी है। इससे पहले सेवाओं पर बैन के लिए 29 फरवरी की तारीख निर्धारित की गई थी। अब एक रिपोर्ट के मुताबिक, आरबीआई ने कंफर्म कर दिया है कि 15 मार्च की डेडलाइन के बाद भी पेटीएम की क्यूआर कोड, साउंडबॉक्स और कार्ड मशीन वाली सेवाएं जारी रहेंगी। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, आरबीआई की ओर से की गई ये पुष्टि पेटीएम के लिए एक और बड़ी राहत है, अब फिनटेक फर्म पहले की तरह पेटीएम की मर्चेंट पेमेंट सर्विसेज जारी रहेंगी और 15 मार्च के बाद भी हमेशा की तरह निर्बाध रूप से काम करती रहेंगी। स्टॉक एक्सचेंज फाइलिंग में कंपनी ने यह भी पुष्टि की कि वह व्यापारियों को निर्बाध पेमेंट के साथ सशक्त बनाना जारी रखेगी। मर्चेंट्स बिना किसी व्यवधान के क्क्रकोड व साउंडबाक्स और कार्ड मशीन की वाओं का इस्तेमाल करना जारी रख सकते हैं. पेटीएम मर्चेंट पेमेंट यूजर्स की तादाद देश में बहुत अधिक है।

वीआईपी रोड पर की साफ-सफाई

भोपाल के वीआईपी रोड पर समाजसेवियों द्वारा साफ-सफाई कर स्वच्छता का संदेश दिया गया।

कुष्ठ पखवाड़ा : 747 घरों का सर्वे कर 291 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी में आयोजित किए जा रहे कुष्ठ उन्मूलन पखवाड़े में 28 नए कुष्ठ रोगी मिले है। इन 28 नए कुष्ठ रोगियों में तीन पीबी और 25 एमबी मरीज की पुष्टि हुई है। पखवाड़े में 747 घरों का सर्वे किया गया, जिसमें 291 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया।

बतादें कि राजधानी के शासकीय अस्पतालों में 30 जनवरी से कुष्ठ उन्मूलन पखवाड़े के तहत पीओडी शिविर, स्किन स्क्रीनिंग कैंप और कुष्ठ रोगियों के संपर्क में आए मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया है। इस दौरान जिले में विभिन्न स्थानों पर आठ स्क्रीनिंग एवं चर्मरोग शिविर लगाए गए। साथ ही भोपाल शहर और बैरसिया में विकृति बचाओ शिविर आयोजित किए गए। शिविरों में कुष्ठ रोग से होने वाली विकृतियों से बचाव के लिए जल तेल उपचार दिया गया और विकृति से बचाव के तरीके सिखाए गए।

नियमितों का आरोप पद्रंह दिन में केवल दो कर्मचारियों के ही बयान ले सकी कमेटी

जय प्रकाश अस्पताल में नियमित V/S आउटसोर्स मोर्चा खुला, वित्तीय अनियमितताओं का आरोप

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

जय प्रकाश अस्पताल के चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी इन दिनों एक आउटसोर्स कर्मचारी से परेशान है। स्थायी कर्मचारियों का कहना है कि आउट सोर्स कर्मचारी अस्पताल का नाम बदनाम कर रहा है और विभाग को वित्तीय हानि पहुंचा रहा है। स्थायी कर्मचारी आउटसोर्स कर्मचारी के खिलाफ लामबंद हो चुके हैं और उसकी शिकायत भी कर चुके हैं। शिकायत मुख्यमंत्री कार्यालय से लेकर सिविल सर्जन तक पहुंच गई, लेकिन कार्रवाई नहीं की गई। केवल जांच का आश्वासन देकर जांच कमेटी बना दी गई। जांच कमेटी भी पंद्रह दिन में केवल दो कर्मचारियों के बयान दर्ज कर सकी है। जिम्मेदार अधिकारियों का कहना है कि केवल एक ही काम नहीं है। अस्पताल के अन्य कामों पर भी ध्यान देना है। लिहाजा जांच में समय लग रहा है। हैरानी की बात तो यह है कि आउटसोर्स कर्मचारी पर अधिकारी मेहरबान क्यों है?

- स्थाई कर्मचारी हुए लामबंद, की शिकायत, सीएम हाउस से मिले आदेश के बाद कमेटी बनाई
- आउटसोर्स कर्मचारी पर आरोप सोनोग्राफी की फीस अपने खाते में जमा कराई

धौंस देने और मारपीट के आरोप

जयप्रकाश अस्पताल के नियमित कर्मचारियों ने दिसंबर, 2023 में सिविल सर्जन और मुख्यमंत्री कार्यालय में शिकायती आवेदन दिया था। आवेदन मिलने के बाद जांच करने के लिए कमेटी बना दी गई। कमेटी ने कर्मचारियों को 06 और 07 फरवरी को बयान दर्ज करने के लिए बुलाया। बयान देने पहुंचे कर्मचारियों की भारी संख्या देखकर सिविल सर्जन कार्यालय में केवल दो लोगों के बयान दर्ज किए गए। बाकि लोगों को बाद में आने का कहा गया।

सात से पदस्थ है आउटसोर्स कर्मचारी

आउटसोर्स कर्मचारी धर्मेश के खिलाफ कर्मचारी संगठन लामबंद हो गया है। धर्मेश रोगी कल्याण समिति की तरफ से देय वेतन में 2016 से पदस्थ हैं। उनके पास सोनोग्राफी की फीस लेने का भी काम हैं। आरोप है कि उन्होंने यह फीस अपने निजी खाते में जमा कराई। जिसके तीन सबूत प्रबंधन को सौंपे गए हैं। नियमित कर्मचारियों का आरोप है कि वे कार्य के दौरान सहयोगियों के साथ अभद्रता और मारपीट भी करते हैं। जिसको लेकर कई बार मौखिक शिकायत सीएमएचओ और सिविल सर्जन से की जा चुकी है। उसमें कोई एक्शन नहीं लिया गया तो इस संबंध में शिकायत की गई है।

देख रहे हैं जल्द जांच करेंगे

इस मामले में सिविल सर्जन डॉक्टर राकेश श्रीवास्तव ने बताया कि जांच की जा रही है। कुछ व्यस्तताओं के चलते यह काम पूरा नहीं किया जा सका है। उन्होंने कहा कि कर्मचारी गुटों के इस विवाद के चलते जेपी अस्पताल की छवि धूमिल हो रही है। इसके बावजूद देरी होने के सवाल पर वे कई कारण गिनाते नजर आए। वहीं धर्मेश कौरव से प्रतिक्रिया मांगी तो उन्होंने कहा कि मुझे कुछ नहीं कहना हैं। मैं आउटसोर्स कर्मचारी हूं। मैं किसी तरह का बयान नहीं दे सकता।

पुराने मार्ग पर ही है वाहनों का दबाव

बरई-नर्मदापुरम रोड बनाई, अब पुल पर रेलिंग नहीं होने के कारण आवागमन बंद

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

बरई से नर्मदापुरम मुख्य सड़क को जोड़ने वाला 80 फीट मुख्य मार्ग पर आवागमन शुरू नहीं हो पा रहा है। इसकी वजह लहारपुर में पुल पर रेलिंग नहीं बना पाना है। यह काम एक वर्ष से नहीं किया जा रहा है। जबकि सड़क इसके पहले से बनकर तैयार है। लोगों को पुराने मार्ग से ही होकर आना-जाना करना पड़ रहा है जो संकरा है, इसी पर वाहनों का दबाव बना रहता है। इसे देखते ही कोलार तिराहे से बरई के आगे 11 मिल से रायसेन चौराहे को जोड़ने वाले बायपास तक 80 फीट चौड़ा मार्ग बनाने का निर्णय लिया था। जिसका काम बरई से नर्मदापुरम रोड़ तक पूरा हो चुका है। लहारपुर पुलिया पर हो चुके हैं हादसे नए मार्ग पर लहारपुर में बड़ा पुल बनाया है। इसकी रैलिंग नहीं बनाई है जिसके कारण यहां से गुजरने वाला एक चार पहिया वाहन पूर्व में नदी के अंदर गिर गया था। जिसमें कुछ लोग जख्मी हुए थे। इसके बाद भी कई बार हादसों की नौबत बन चुकी है। तब भी पुल पर रेलिंग का काम पूर्ण कर उसे चालू नहीं किया जा रहा है।

नई रोड के किनारे हो चुका है अतिक्रमण

बरई से नर्मदापुरम से नर्मदापुरम रोड के बीच नई सड़क पर कई जगह अतिक्रमण हो गया है। दुकानें लग रही है। जिनके घर रोड से लगे हुए थे उन्होंने रोड तक अतिक्रमण कर लिया है। यही नहीं रोड को घर के आंगन के रूप में उपयोग किया जा रहा है। राहगीरों का कहना है कि सड़क चालू होने से पहले इन्हें नहीं हटाया गया तो हादसे होंगे और उसका शिकार आम राहगीरों को ही होना पड़ेगा।

आरोग्य केन्द्र के प्राकृतिक चिकित्सा शिविर में अनुभव सत्र

दवा रहित समाज का निर्माण करना है शिविर का ध्येय: टेवानी

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

रोगों से निदान एवं अनुशासित जीवन से स्वस्थ रहने के गुर सिखाने के लिए प्राकृतिक चिकित्सा केन्द्र में चल रहे शिविर में अनुभव सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें जहां प्राकृतिक चिकित्सा विशेषज्ञों ने टिप्स दिए, वहीं साधकों ने शिविर में शारीरिक दिक्कतों से मिली राहत पर अपनी बात रखी।

आहार विशेषज्ञ गुजरात धरती बैन ने कहा कि बीमारी इन्सान को डराकर रखती हैं हम मन से हार जाते है और दवाइयों के सहारे जीवन जीते है। लेकिन प्राकृतिक चिकित्सा को अपनाकर हम दवाइयों से हमेशा के

लिए दूर हो सकते है।

प्राकृतिक चिकित्सक डॉ रमेश टेवानी ने कहा रोगों की जड़ हमारी जीवन शैली और आहार है। शिविर का उद्देश्य दवा रहित समाज को निर्माण करना है। यहां न केवल खुद कैसे ठीक रह सकते हैं बताया जाता है, वहीं दूसरों को भी आरोग्य के सूत्र देकर शारीरिक दिक्कतों से निजात दिलाया जा सकता है।

सत्र में शिविरार्थियों ने कहा कि शिविर में जो शारीरिक दिक्कत लेकर आए थे, उससे राहत मिली है। शुगर, वीपी, घुटनों के दर्द में राहत मिली है। यहां अनुशासित जीवन शैली अपनाकर स्वस्थ रहने के तौर तरीके जाने हैं। आगामी कैम्प 20 फरवरी से 29 फरवरी 2024 को आयोजित किया जाएगा। शिविर की जानकारी आरोग्य केन्द्र के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. गुलाब रॉय टेवानी से मोबाइल नम्बर 7509010110, 6260777789 पर ली जा सकती है। शिविर का समापन डॉ. लता टेवानी ने किया।

कलश यात्रा

भोपाल। शंकर गार्डन से अभि होम्स मंदिर में कॉलेज की स्थापना को लेकर कलश यात्रा निकाली गई।

मेट्रो एंकर संत हिरदाराम गर्ल्स कॉलेज में जी-20 विषय पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

'भारतीय ज्ञान परंपरा अनुसंधान का एक महत्वपूर्ण विषय'

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

संत हिरदाराम गर्ल्स कॉलेज, भोपाल द्वारा मुंस्टर यूनिवर्सिटी ऑफ एप्लाइड साइंस, जर्मनी के संयुक्त तत्वावधान में ग्लोबल विजंस- अ पर्सपेक्टिव ऑन द जी-20 समिट 2023 विषय पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस संगोष्ठी का मुख्य उद्देश्य देश-विदेश के विभिन्न विषय विशेषज्ञों, शिक्षाविदों, अनुसंधानकर्ताओं एवं विद्यार्थियों को एक मंच प्रदान करना है जिससे वह जी-20 के लक्ष्यों की प्राप्ति में अपने विचारो को साझा कर सर्वश्रेष्ठ योगदान दे सके।

समापन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. एस. के. जैन, कुलपति, बरकतउल्ला यूनिवर्सिटी, भोपाल ने

कहा कि जी-20 का मूल आधार सर्वे भवन्तु सुखिनः है। सम्पूर्ण विश्व एक परिवार है। उन्होने परिवार एवं खुशी, संस्कार-सभ्यता-संस्कृति पर बात करते हुए कहा कि हमारी धरोहर, विरासत एवं भारतीय ज्ञान परंपराओं पर हमें गर्व है।

अनुसंधान एवं नवाचार पर बात करते हुए उन्होने कहा कि रिसर्च काफ्रेंस में शामिल होकर ज्ञान अर्जन करे एवं अपने विचार साझा करे, यही इनकी सार्थकता है।

विशिष्ट अतिथि डॉ. विनय स्वरूप मेहरोत्रा ने जी-20 के मुख्य बिन्दुओं पर बात की। उन्होने कहा कि सभी को शिक्षा प्राप्त करने का अधिकार है। तकनीकी व्यवसायिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण एक महत्वपूर्ण आयाम है। उन्होने समावेशी शिक्षा, हिस्सेदारी एवं समानता, सहयोगात्मक अनुसंधान, स्वरोजगार, एन. ई. पी. 2020, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, साइबर सिकयारिटी, ज्ञान, कौशल विकास, व्यवहार, सकिलिंग-रिस्किलिंग-अपस्किलिंग, लर्निंग आउटकम पर सविस्तार प्रभावी ढंग से बात की।

दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में आयोजित चार तकनीकी सत्रों में इकोनॉमिक पॉलिसी एंड ग्लोबल स्टेबिलिटी, सोशल वेलफेयर, हेल्थ एंड इक्विटी, सस्टेनेबिलिटी एंड फ्यूचर प्लानिंग और इनोवेशन, टेक्नोलॉजी एंड गवर्नेन्स इत्यादि विषयो पर चर्चा की गई एवं सुश्री विनीता गिरी गोस्वामी, कु. हिबा मरियम, कु आरूषी दुबे एवं डॉ. गीता गुवालानी को बेस्ट पेपर प्रेजेंटर अवार्ड दिया गया। संगोष्ठी में 14 रिसर्च एक्सीलेंस अवार्ड भी प्रदान

नवरात्र में हनुमानजी को चढ़ाया चोला

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

गुप्त नवरात्रि की अष्टमी पर शनिवार को गायत्री मंदिर सैनिक कॉलोनी में मां दुर्गे की आराधना कर हनुमानजी को वेद मंत्रों अष्ट सिद्धि नौ निधि के दाता का उच्चारण कर चोला चढ़ाया गया। बजरंग सेना समिति अर्चकराज कुमार गर्ग ने कहा कि गुप्त नवरात्रि के आठवें दिन जो साधक मां की आराधना करता है, उसे मनचाहा फल प्राप्त प्राप्त होता है। समिति के अध्यक्ष कमलेश देवानी ने कहा कि गुप्त नवरात्रि को मां की साधना का विशेष महत्व है।

सरकार ने पटवारी भर्ती परीक्षा में उत्तीर्ण अभ्यर्थियों के दस्तावेज सत्यापन की प्रक्रिया तय की

समूह-2 व उप समूह-4 के तहत संयुक्त पटवारी भर्ती परीक्षा में धांधली पर युवा और सरकार आमने-सामने

सत्यापन की तारीखों के साथ धांधली की दोबारा जांच के लिए आंदोलन का ऐलान

इधर, नेशनल एजुकेटेड यूथ यूनियन ने आंदोलन की चेतावनी दी

भोपाल, दोपहर मेट्रो। पटवारी परीक्षा में हुई धांधली को लेकर सरकार और कई युवा फिर आमने-सामने है। सरकार ने परीक्षा पास करने वाले अभ्यर्थियों के दस्तावेज सत्यापन की प्रक्रिया तय कर दी है तो नेशनल यूथ एजुकेटेड यूनियन ने आंदोलन की चेतावनी दे दी है। इसी यूनियन की कोर कमेटी के सदस्य रंजीत किसानवंशी ने पटवारी परीक्षा के परिणामों के बाद परीक्षा में बड़े पैमाने पर धांधली के आरोप लगाए थे। जिसके बाद कांग्रेस भी मैदान में कूद गई थी।

नौबत यह बनी कि तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को नियुक्ति पर रोक लगाते हुए जांच के निर्देश देने पड़े थे। जनवरी 2024 में जांच रिपोर्ट तो आई लेकिन उसमें किसी भी तरह की धांधली नहीं मिली। इसी को आधार बनाकर सरकार ने नियुक्ति संबंधी प्रक्रिया तेज कर दी है तो यूनियन व कांग्रेस समेत अन्य संगठनों ने जांच पर सवाल उठाए हैं। यह परीक्षा 15 मार्च से 25 अप्रैल 2023 तक हुई थी। इसके परिणाम 30 जून 2023 को घोषित किए थे। परीक्षा में करीब 13 लाख अभ्यर्थी शामिल हुए थे। इनमें से करीब 8 हजार से अधिक अभ्यर्थियों का चयन पटवारी पद के लिए और अन्य का विभिन्न विभागों में अलग-अलग पदों के लिए हुआ था।

ये लगे थे आरोप, जिसके बाद नियुक्ति पर लगाई थी रोक

आरोप था कि टॉपर 10 में से 7 अभ्यर्थी ग्वालियर के एनआरआई कॉलेज के एक ही परीक्षा केंद्र में परीक्षा देने वाले हैं। 10 जून 2023 को टॉपरों की सूची जारी की गई। तब पता चला कि टॉप 10 में से 7 अभ्यर्थियों ने ग्वालियर के एनआरआई कॉलेज में बनाए परीक्षा केंद्र में परीक्षा दी थी। यही नहीं उक्त परीक्षा के परिणामों में के बाद यूनियन ने दावा किया था कि दिव्यांग श्रेणी के कई अभ्यर्थी तो एक ही क्षेत्र और एक जैसी दिव्यांगता रखते हैं। कुछ की कुछ मामलों में तो भाई बहनों की जन्मतिथि में एक महीने का भी फिक्र नहीं है।

एमपी बोर्ड: कल दसवीं का अंग्रेजी का पेपर, परीक्षा केंद्रों पर बढ़ाई निगरानी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

माध्यमिक शिक्षा मंडल (माशिमं) की कक्षा दसवीं का 19 फरवरी को अंग्रेजी का पेपर होगा। नकल की रोकथाम के लिए सीसीटीवी कैमरे, स्टाफ बढ़ोत्तरी के साथ निरीक्षण टीमों में भी इजाफा किया गया है। वहीं परीक्षाओं के साथ ही मूल्यांकन को लेकर भी तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। गत वर्ष के मुकाबले इस बार अप्रैल में संभावित लोकसभा चुनाव के चलते बोर्ड परीक्षाएं एक माह पहले शुरू की गई है, ताकि अप्रैल में परिणाम जारी हो किए जा सकें। मंडल 22 फरवरी से मूल्यांकन कार्य शुरू करने की तैयारी है। उल्लेखनीय है कि इस बार दसवीं-बारहवीं की परीक्षाओं में प्रदेशभर से करीब 16.80 लाख विद्यार्थी शामिल हो रहे हैं। हाईस्कूल परीक्षा के लिए प्रदेश में 3,866 एवं हायर सेकेंडरी के लिए 3,637 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। राजधानी भोपाल के 106 परीक्षा केंद्रों पर बोर्ड परीक्षाएं आयोजित की जा रही है।

प्रतिनियुक्ति से भरे जाएंगे बीआरसीसी, एपीसी खाली पद

25 फरवरी को होगी लिखित परीक्षा, 27 फरवरी आएगी मेरिट

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

स्कूल शिक्षा विभाग में लंबे समय से खाली विकासखंड स्रोत समन्वयक और सहायक परियोजना समन्वयकों के खाली पदों को प्रतिनियुक्ति से भरने की तैयारियां शुरू हो गई हैं। इसको लेकर राज्य शिक्षा केंद्र ने प्रक्रिया शुरू की है। खाली पदों के लिए आवेदन 15 फरवरी तक बुलाए गए थे, जिसके बाद आवेदकों की स्क्रूटनी की गई है। हालांकि इसी बीच अब परीक्षा कार्यक्रम में बदलाव किया गया है। इस संबंध में आरएसके दिशा-निर्देश जारी किए हैं।

आवेदनकर्ताओं की 21 फरवरी को लिखित परीक्षा होनी थी, जो अब 25 फरवरी को आयोजित होगी। 26 फरवरी को मूल्यांकन किया जाएगा। मूल्यांकन केंद्र अधिकारी द्वारा मेरिट सूची संबंधित जिले के जिला परियोजना समन्वयक को 27 फरवरी को सौंपी जाएगी। इसके बाद चयनित लोक सेवकों के पदस्थापना आदेश 4 मार्च को जारी किए जाएंगे।

विभाग तैयार कर रहा सूची, जल्द जारी हो सकते हैं आदेश

वर्षों से विभिन्न विभागों में अटैच प्रोफेसरों और कर्मचारियों को बुलाएंगे वापस

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

प्रदेश के कॉलेजों में लंबे समय से प्रोफेसरों और कर्मचारियों के पद खाली पड़े हैं। अधिकांश सरकारी कॉलेजों में नए असिस्टेंट प्रोफेसरों और अतिथि विद्वानों के भरोसे पढ़ाई चल रही है।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार करीब सौ से अधिक प्रोफेसर विभाग, मंत्रियों और विधायकों के पास अटैच हैं। अकेले राजधानी में डेढ़ दर्जन प्रोफेसर मुख्यालय और अन्य विभागों में अटैच होकर काम कर रहे हैं। जबकि इनका वेतन उनकी मूल पदस्थापना वाले कॉलेजों से निकल रहा है। ऐसे में प्रोफेसरों की पदस्थापना कॉलेजों में होने के कारण उन पदों पर अतिथि विद्वान भी नहीं रखे जा रहे हैं। ऐसे में कॉलेजों में पढ़ाई प्रभावित हो रही है। अब इन प्रोफेसरों को वापस बुलाने की तैयारी है।

एबीवीपी ने सौंपा था ज्ञापन: अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के पदाधिकारियों ने वर्षों से विभिन्न विभागों में अटैच प्रोफेसरों को वापस बुलाने के लिए हाल ही में उच्च शिक्षा मंत्री इंदरसिंह परमार को ज्ञापन सौंपा है। जिसके बाद विभाग ने इन प्रोफेसरों की जानकारी जुटाना शुरू कर दिया हैं।

मैनिट में नॉन टीचिंग भर्ती के लिए आवेदन कल से

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मौलाना आजाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (मैनिट) में नॉन टीचिंग पदों पर भर्ती के लिए आवेदन प्रक्रिया 19 फरवरी से शुरू होगी। आवेदन की आखिरी तारीख 19 मार्च है। मैनिट में लाइब्रेरियन, एसई, सीनियर टेक्निकल ऑफिसर सहित 9 पदों पर भर्ती की जाना है। वह सभी ग्रुप-ए के पद हैं। भर्ती प्रक्रिया मुख्य रूप से दो भागों में बांटी है, इसमें लिखित परीक्षा और इंटरव्यू शामिल है। पदों से कम आवेदन आने की स्थिति में लिखित परीक्षा नहीं होगी। इंटरव्यू में एक पोस्ट के लिए 10 अभ्यर्थियों को बुलाएंगे। मैनिट की ऑफिशियल वेबसाइट पर ऑनलाइन लिंक एक्टिव की जाएगी। विभिन्न पदों के लिए शैक्षणिक योग्यता और अनुभव मैनिट की वेबसाइट पर देखा जा सकता है।

कॉपी जांचने वाले शिक्षकों का मानदेय बढ़ा

कलेक्टर प्रतिनिधि को मिलेगा 400 रुपए मानदेय और वाहन भत्ता

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

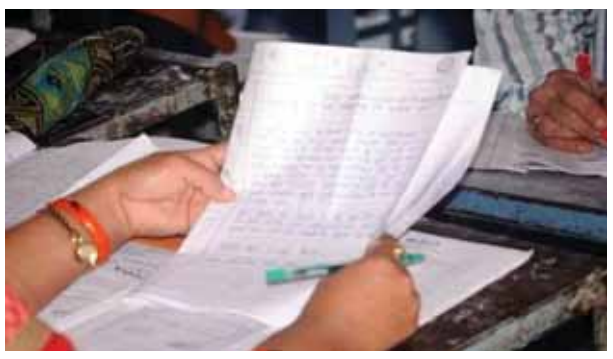

माध्यमिक शिक्षा मंडल (माशिमं) ने 10वीं एवं 12वीं कक्षा की उत्तर पुस्तिकाएं जांचने वाले शिक्षकों का मानदेय पिछले साल की अपेक्षा तीन रुपए बढ़ाया है। कक्षा 10वीं की कॉपी जांचने वाले शिक्षकों को अब 15 रुपए और 12वीं की कॉपी जांचने वाले शिक्षक को 16 रुपए प्रति कॉपी के हिसाब से भुगतान किया जाएगा। पिछले छह साल से 10वीं का मूल्यांकन शुल्क 12 और 12वीं का 13 रुपए प्रति कॉपी था।

वहीं शैक्षणिक सत्र 2023-24 की परीक्षाओं के कार्य में लगे अधिकारियों, कर्मचारियों, शिक्षकों के मानदेय एवं मंडल को विभिन्न मदों से प्राप्त होने वाले शुल्क को लेकर माध्यमिक शिक्षा मंडल ने नए आदेश जारी किए हैं। जारी आदेश के अनुसार, नए आंशिक संशोधन के हिसाब से अब कलेक्टर प्रतिनिधि को प्रतिदिन के हिसाब से 200 रूपए मानदेय और 200 रूपए वाहन भत्ता दिया जाएगा। वहीं मुख्य परीक्षा के संचालन के लिए प्रतिछात्र के हिसाब से 110 रूपए और पूरक परीक्षा के संचालन के लिए प्रति छात्र के हिसाब से 90 रूपए का भुगतान होगा। शेष मानदेया और शुल्क पूर्ववत यथावत रहेगा।

दो अपर आबकारी आयुक्त सहित 76 अधिकारियों के हुए तबादले

भोपाल, दोपहर मेट्रो. मप्र शासन ने आबकारी विभाग में बड़ा बदलाव करते हुए दो अपर आबकारी आयुक्त, चार सहायक आबकारी आयुक्त और 70 सहायक जिला आबकारी अधिकारियों के तबादले किए गए हैं। दो अपर आबकारी आयुक्त में राजेश हेनरी को राज्य स्तरीय उड़नदस्ता भोपाल से हटाकर मुख्यालय ग्वालियर और वीरेंद्र सक्सेना को मुख्यालय ग्वालियर से राज्य स्तरीय उड़नदस्ता भोपाल पदस्थ किया गया है। इसी तरह सहायक आबकारी आयुक्तों में डॉ. प्रमोद कुमार झा को प्रभारी उपायुक्त आबकारी संभागीय उड़नदस्ता सागर से संभागीय उड़नदस्ता ग्वालियर, अजय शर्मा को प्रभारी उपायुक्त आबकारी संभागीय उड़नदस्ता भोपाल से मुख्यालय ग्वालियर, यशवंत कुमार धनौरा को कार्यालय आबकारी आयुक्त मुख्यालय ग्वालियर से प्रभारी उपायुक्त संभागीय उड़नदस्ता भोपाल और आलोक कुमार खरे को सहायक आबकारी आयुक्त कार्यालय संभागीय उड़नदस्ता भोपाल से तबादला कर प्रभारी उपायुक्त आबकारी संभागीय उड़नदस्ता रीवा पदस्थ करने के साथ ही 66 अन्य सहायक जिला आबकारी अधिकारियों के भी तबादले किए गए हैं।

बीयू बीबीए होटल मैनेजमेंट की परीक्षा 20 फरवरी से होगी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

बरकतउल्ला यूनिवर्सिटी (बीयू) की बीबीए होटल मैनेजमेंट थर्ड सेमेस्टर की परीक्षाएं 20 फरवरी से शुरू हो रही हैं। यह परीक्षाएं 6 मार्च तक चलेंगी। परीक्षा का समय दोपहर 2 से शाम 5 बजे तक रहेगा। परीक्षा में किसी तरह की गड़बड़ी न हो इसलिए विश्वविद्यालय स्तर पर दो उडनदस्ता टीमों की गठन किया गया है, जो परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण करेंगी।

मेट्रो एंकर

उच्च शिक्षा विभाग ने जारी किए आदेश

प्रदेश में महाविद्यालयीन छात्रों के समान दूरस्थ शिक्षा के विद्यार्थियों को भी मिलेंगे क्रेडिट अंक

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

प्रदेश के कालेजों और विश्वविद्यालयों के समान ही अब दूरस्थ शिक्षा के विद्यार्थियों को भी समान क्रेडिट अंक मिलेंगे। इसमें वार्षिक और सेमेस्टर पैटर्न से होने वाली परीक्षाओं में एकरूपता रहेगी। बोर्ड आफ स्टडीज से भी इस तरह से सिलेबस तैयार किया जाएगा, जिससे इनमें अंतर न हो।

प्रदेश में सेमेस्टर और वार्षिक पद्धति से यूजी करने वाले विद्यार्थी भी एक-दूसरे के पाठ्यक्रम में आसानी से प्रवेश ले सकेंगे। इसके साथ ही उच्च शिक्षा विभाग राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी- 2020) को लागू करने में आ रही समस्याओं को दूर करने के लिए अध्यादेश 14ए और 14 बी के स्थान पर नया अध्यादेश तैयार करेगा। इसके लिए चार सदस्यों की समिति भी गठित कर दी गई है।

अभी तक अध्यादेश 14ए में विश्वविद्यालय और स्वशासी संस्थानों में जो सेमेस्टर प्रणाली से संचालित होते हैं, उसके लिए प्रविधान है। वहीं अध्यादेश 14बी वार्षिक परीक्षा पैटर्न के आधार पर संचालित होने वाले संस्थानों पर लागू होता है। उच्च शिक्षा विभाग अब आदेश जारी कर राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत यूजी में क्रेडिट अंक को लेकर बदलाव करेगा। अभी तक विश्वविद्यालय और स्वशासी महाविद्यालय में सेमेस्टर और अन्य सभी महाविद्यालयों में वार्षिक प्रणाली लागू है। इससे वर्तमान में अगर कोई विद्यार्थी वार्षिक परीक्षा पैटर्न के आधार पर यूजी करता है और अगर वह सेमेस्टर पद्धति वाले संस्थान में प्रवेश लेना चाहता है तो उसका पूरा पाठ्यक्रम ही बदल जाता है। नए अध्यादेश का प्रारूप एक माह में उपलब्ध कराने के लिए कहा गया है, ताकि यह व्यवस्था नए शिक्षा सत्र 2024-25 से लागू हो सके।

व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में चार-चार क्रेडिट अंक मिलेंगे

व्यावसायिक पाठ्यक्रम, प्रोजेक्ट, इंटर्नशिप, अप्रेंटिसशिप, सामुदायिक जुड़ाव के पाठ्यकमों में कुल चार-चार क्रेडिट अंक मिलेंगे। इसमें सैद्धांतिक परीक्षा के लिए दो और प्रायोगिक परीक्षा के लिए दो क्रेडिट अंक दिए जाएंगे। इसके साथ ही इन विषयों की प्रायोगिक परीक्षा में कुल 100 अंकों में से आंतरिक एवं बाह्य मूल्याकंन के लिए 50-50 अंक निर्धारित किए जाने का निर्णय लिया गया है। वहीं सभी कोर एवं जेनरिक इलेक्टिव पाठ्यकमों की प्रायोगिक परीक्षा में 100 अंकों का विभाजन आंतरिक मूल्याकंन (30 अंक) एवं बाह्य मूल्यांकन (70 अंक) के अनुसार निर्धारित किया जाएगा। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत 14ए और 14बी के स्थान पर नया अध्यादेश तैयार किया जा रहा है, ताकि विश्वविद्यालय स्तर और स्वशासी महाविद्यालयों में वार्षिक और सेमेस्टर प्रणाली में एकरूपता रहेगी। इसे अगले सत्र से लागू किया जाएगा।

दोपहर मेट्रो

प्रवाह

रविवारीय

04 भोपाल, रविवार, 18 फरवरी 2024 epaper.dopaharmetro.com

पुस्तक समीक्षा

छोटे मुंह छोटी सी बात/लेखक संतोष तिवारी

सधे शब्दों से संवाद के पुल बांधता इंजीनियर...

■ आशीष दुबे

अतीत केवल व्यतीत नहीं, वह भविष्य का मार्गदर्शक है और उसका निर्माता भी है...' या 'सापेक्ष जगत में केवल प्रकाश ही निरपेक्ष है। प्रकाश और छाया का संयोग ही माया है...' अथवा 'स्थूल रूप से बड़े पदों में कितनी भी चमक दिखे और उन्हें पाने के लिये कितनी भी दौड़ और होड़, स्पर्धा-प्रतिस्पर्धा हो पर यह बात निर्विवाद है कि भारत में श्रध्दा व सम्मान,चरित्रवान ही पाते हैं..।' यह कुछ ऐसी पंक्तियां हैं,जिन्हें एक ओहदे पर बैठा सरकारी अफसर यदि बोलता है तो इसके कई 'खतरे' भी होते हैं और यदि इसे निर्विकार भाव से सुनें तो इसके मूल में निहित आनंद भी हिलोरें लेता है। जल संसाधन विभाग के चीफ इंजीनियर रहे संतोष तिवारी जब राजनीतिज्ञों व शीर्ष नौकरशाहों या ख्यात रंगकर्मियों से भरे मंच पर कहते हैं तो इसके पीछे उनके शब्दों की पुख्तगी, शब्दों का धाराप्रवाह प्रस्फुटन व कानों में घुलता आस्वाद इतना महत्वपूर्ण व मीठा हो जाता है कि, इन बातों का 'बाय-प्रोडक्ट' क्या निकल सकता है, यह कोई सोचता व समझना नहीं चाहता। बल्कि वह सिर्फ शब्दों के सौंदर्य सागर में डूबता-उतराता है। करीब चालीस वर्ष तक जल संसाधन विभाग की नहरों,ग्रामीणों से लेकर कभी चालाक तो कभी अनगढ जनप्रतिनिधियों के बीच रास्ता बनाते रहे और सरकारी फाइलों के सागर में डूबते-उतराते रहे चीफ इंजीनियर संतोष तिवारी अब तो सेवानिवृत्त हैं लेकिन उनके भाव व शब्द आज भी प्रबल हैं। उन्होंने सेवाकाल के दौरान और सेवाकाल के बाद भी कई बड़े मंचों का संचालन किया है। इनमें सड़कों से लेकर बांधों,मंदिर से लेकर रंगकर्म,अस्पतालों,पत्रकारिता,फिल्म,खेल आदि क्षेत्रों के बड़े कार्यक्रम शामिल रहे। पिछले दिनों उन्होंने एक किताब लिखी है- छोटे मुंह,छोटी सी बात। यह किताब उनके मंच संचालन के दौरान का दस्तावेज है। मंच संचालन में सारा खेल ही शब्दों व विश्वास का होता है। मंच से श्रोताओ तक विश्वास का सेतु बनाने का काम ही मंच संचालक का होता है, जिसे आजकल एंकर कहा जाता है। वह मंच के सामने बैठे लोगों के मन में कार्यक्रम के मकसद, प्रयोजन और उसके महात्म्य के प्रति उत्सुकता व भरोसा दोनों कायम करता है। मंच संचालक की महती जिम्मेदारी यह भी होती है कि मंच पर बैठे माननीय उसकी बातों के सिरे पकड़कर संबोधन में अपनी बात लोगों के मन में उतार पाएं और फिर माननीयों की बातों के सिरे पकड़कर मंच संचालक अगले वक्ता के बीच की कड़ी जोड़ता है। यह बड़ा दिलचस्प क्रम बनता है, यदि संचालक माहिर हो। संतोष तिवारी की शैली बताती है कि वह कितने माहिर हैं कि निपट दूरदराज के गांव से लेकर शहरी आभाओं के बीच हुए कार्यक्रमों में उन्होंने ऐसे सारे पुल बांध दिये, जिन पर से कार्यक्रमों की सार्थकता व वक्ताओं की बातें सहजता से गुजरती चली गईं। उन्होंने 8 अप्रैल 1997 को इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ ब्रिज इंजीनियर्स की भोपाल शाखा के उदघाटन कार्यक्रम में तत्कालीन मंत्री राजेंद्र शुक्ला की मौजूदगी वाले कार्यक्रम में कहा भी था- आओ बनाएं कोई पुल अपने ही आसपास, अरसा हुआ है आपको हमसे अलग हुए।

अपनी इस किताब में तिवारीजी ने 121 कार्यक्रमों के संचालन की बातें व यादें प्रस्तुत की हैं। इन कार्यक्रमों में मंच पर कभी राष्ट्रपति थे तो कभी न्यायाधीश, कई मुख्यमंत्री व मंत्री से लेकर सिनेमा व समाज के ख्यात नाम भी उनके मंच संयोजन में 'बंधे' रहे। वे खुद कहते हैं- 'चूंकि व्यवसाय मेरा इंजीनियरिंग का था इसलिये आयोजनों के डिजाइन के अनुरूप भाव व शब्दों के आंकलन-प्राक्कलन की थोड़ी व्यवसायगत सुविधा तो थी ही, साथ ही पारिवारिक पृष्ठभूमि ने शब्द के प्रति जिज्ञासा और आदर भाव भी जागृत रखा। बहरहाल, संतोष तिवारी ने अपनी किताब को जिस तरह संयोजित किया है, वह बेहद प्रभावी बन पड़ा है। उन्होंने अपने मंचीय अनुभवों व प्रयोगों को करीब साढे तीन सौ पेज में समेटा है बाकी कुछ पेज उस प्रोत्साहन से भरे हैं, जो उन्हें कई विशिष्टजनों से मिलता रहा है। कुल मिलाकर 'छोटे मुंह छोटी सी बात' को पढने के लिए एक खास किस्म का मूड व दृष्टि जरूरी लगती है। क्योंकि किताबों के संसार में कई तरह के विषय व अलग विधाओं में लिखने वाले लेखकों की लंबी पांत में यह समूचा विषय ही नये किस्म का है। खास बात यह कि पूरी किताब को समय के कुछ टुकड़ों में भी पढा जा सकता है, क्योंकि हर 'चेप्टर' नई बात व नए भावों को अभिव्यक्त करता प्रतीत होता है। यह किताब समृध्द हिंदी व समृध्द भाव से परिपूर्ण है, हालांकि शुरूआत में संतोष तिवारी ने मजाकिया अंदाज में लिखा है-'समर्पित उन ग्रामीणों को जिन्होंने लैंटर्न को लालटेन बनाकर हिंदी को रौशन व समृध्द किया।

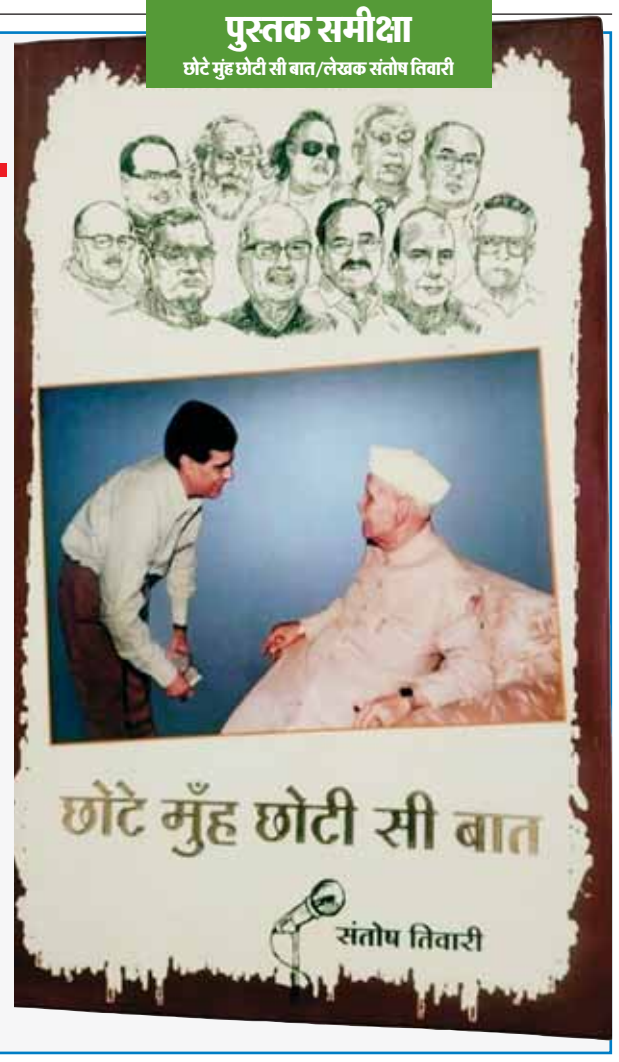

नए साल वाले संकल्पों से राहत देती है 'छोटी सी' फरवरी

डॉनी ब्लम

कुछ लोगों के लिए फरवरी नीरस हो सकता है, लेकिन इस महीने के साथ दो बातें तो तय हैं। एक तो यह छोटा होता है, और दूसरा यह जनवरी नहीं है। जनवरी हर साल की शुरुआत में जिन दबावों को लेकर आती है, फरवरी उनसे राहत देती है। दरअसल, नए साल की शुरुआत के अति-उत्साह में हम जिन ऊट-पटांग संकल्पों को ले चुके होते हैं और जनवरी के अंत तक जिन्हें त्यागने के बारे में सोच रहे होते हैं, फरवरी का आगमन मौन रूप से उनकी पुष्टि कर देता है। अगर आप अपने संकल्पों में प्रगति नहीं कर पा रहे हैं, तो आपको खुद के प्रति कठोर नहीं होना चाहिए।

न्यूयॉर्क में लैंगोन हेल्थ संस्थान में एसोसिएट प्रोफेसर थिआ गालेघर कहती हैं, 'जिंदगी व्यवहारिक एवं नियंत्रित ढंग से चीजों को जोड़ते रहने का नाम है।' फरवरी आपको व्यावहारिकता की जमीन पर उतारती है और लक्ष्यों की ओर बढ़ने का सही तरीका बताती है। हार्वर्ड यूनिवर्सिटी में महामारी विज्ञान और जैव सांख्यिकी के प्रोफेसर टायलर जे वेंडरवेले के अनुसार, सबसे पहले तो आप यह सोचें कि क्या आपने सही संकल्प लिया है? वह कहते हैं, 'ऊंचे लक्ष्य निर्धारित करने के बजाय पहले छोटे लक्ष्य बनाएं और धीमी गति से आगे बढ़ें।' उनके अनुसार, अगर आप सौ फीसदी लक्ष्य हासिल न कर पा रहे हों, तो 80/20 के नियम का पालन करें।

उदाहरण के लिए, आप रोज सोचते हैं कि आज से कसरत शुरू करूंगा, लेकिन समय नहीं निकाल पाते, तो दबाव महसूस करने के बजाय सप्ताहांत की सुबह कसरत करने का नियम बनाएं। कहने का आशय है कि खुद को कड़े नियमों से न बांधें। केंट स्टेट यूनिवर्सिटी में मनोविज्ञान की प्रोफेसर एंजेला नील-बार्नेट सुझाव देती हैं कि योग, कसरत या भ्रमण संबंधी संकल्पों को पूरा करने के लिए बेहतर होगा, अगर आप कोई ऐसा मित्र या परिवार का सदस्य ढूंढें, जिसके साथ मिलकर आप ये गतिविधियां कर सकें और जो आपको लगातार प्रेरित भी कर सके। डॉ. वैंडरवेले कहते हैं कि अपने प्रियजन का साथ आपको अपने लक्ष्यों पर नियमित नजर रखने में मददगार होता है। चाहे बुधवार रात की एक कॉल हो या फिर रविवार सुबह की कॉफी, आपको अपने लक्ष्यों की ओर बढ़ने के लिए प्रोत्साहित कर सकती है। डॉ. नील बार्नेट कहते हैं कि संकल्प को पूरा करने में सबसे महत्वपूर्ण यह है कि खुद को कोसने के बजाय छोटी-छोटी जीतों का आनंद लें। जो काम आज पूरे नहीं हुए, वे कल होंगे। हर सुबह एक नई उम्मीद लेकर आती है।

- फ़रवरी या फरवरी साल का दूसरा एवं सबसे छोटा महीना होता है। सामान्यतः फरवरी में 28 दिन होते है, लीप वर्ष होने पर फरवरी में 29 दिन होते है।
- फरवरी लोगों को सुखद एहसास कराती है इसी कारण इस महीने की ठंड को 'गुलाबी ठंडक' कहते है।
- फरवरी को भारत में 'बजट मंथ' भी कहा जाता है क्योंकि इस महीने में आम तौर पर भारत सरकार बजट पेश करती है।
- विदेशों में फरवरी को 'लविंग मंथ' कहा जाता है क्योंकि इस महीने में 'वैलेनटाइन डे' (14 फरवरी) सेलिब्रेट होता है।
- अंग्रेजी कैलेंडर के अलावा हिंदू कैलेंडर में भी इस महीने का बड़ा मान है क्योंकि इसी से 'बसंत' का आगमन होता है जिन्हें ऋतुराज कहते हैं।
- यूरोप में फरवरी को फैमिली प्लानिंग मंथ भी कहते हैं, एक सर्वे के मुताबिक फरवरी में ही यूरोप में सबसे ज्यादा बेटियां होती हैं।

ब्लॉग: राम की जयकार के बीच तुलसी को नहीं भूलें

■ वीर सिंह

चरित मानस ने सनातन धर्म के पुनर्जागरण में ऐसी भूमिका निभाई कि मुगल शासन न केवल तिनकों की तरह बिखर गया, वरन वह डायनोसोर की तरह विलुप्त भी हो गया। यह थी एक संत कवि की शक्ति मध्यकालीन भारतीय इतिहास की पृष्ठभूमि पर साहित्य के स्वर्णयुग में भारत के भविष्य की आधारशिला रखी गई। ऐसा माना जाता है कि साहित्य का स्वर्ण युग 16वीं सदी तक चला। सूरदास, तुलसीदास, कबीर, रहीम, और बिहारीलाल स्वर्णयुग के ऐसे कवि थे, जिन्होंने भारतीय साहित्य को उच्चतम शिखर तक पहुंचा दिया था। इनमें निसंदेह तुलसीदास एक ऐसे कवि हुए हैं जिनके एक काव्य ङ्क रामचरितमानस ङ्क ने भारतीय मानस में ऐसी जगह बनाई जिसका जग में कोई सानी नहीं।

11 अगस्त 1511 को जन्मे एक बच्चे के मुख में 32 दांत थे और उसने पैदा होते ही 'राम' शब्द बोला था। इसलिए उसका बचपन का नाम रामबोला पड़ गया। बड़ा होकर यही रामबोला दुबे नामक बालक राम का अनन्य भक्त और विश्व मानव इतिहास का सबसे अधिक पड़ा और गाए जाने वाला कवि बना, जिनकी आराधना आज तक तुलसीदास के नाम से होती रही है और अनंतकाल तक होती रहेगी।

तुलसीदास ने संस्कृत, अवधी, और बृजभाषा में अनेक रचनाएं कीं, परन्तु अवधी में लिखा उनका काव्य राम चरित मानस एक महाकाव्य बन गया। लाखों परिवारों में नित्य पड़ा और गाया जाने वाला यह महाकाव्य सनातन धर्म को आलोकित और पोषित करने वाला अमर स्रोत बन गया।

मुगल शासन की कुरूपताओं के मध्य लिखा गया तुलसी का काव्य मुगलों के अंत का भी एक शास्त्र-शस्त्र बना। राम चरित मानस ने सनातन धर्म के पुनर्जागरण में ऐसी भूमिका निभाई कि मुगल शासन न केवल तिनकों की तरह बिखर गया, वरन वह डायनोसोर की तरह विलुप्त भी हो गया। यह थी एक संत कवि की शक्ति ! आज के समय में, जब राम के जन्मस्थल अयोध्या में भगवान् राम का भव्य मंदिर सनातन धर्म का प्रतीक बन गया है, तो हमें तुलसीदास की स्मृतियों को अपने मष्तिष्क पटल पर उभारने की आवश्यकता है। तुलसी ही हैं जिन्होंने राम को हर भारतीय के हृदय, मष्तिष्क, और आत्मा में स्थापित किया।

तुलसीदास का योगदान न केवल उनकी साहित्यिक प्रतिभा में है, बल्कि उनके दृढ़ दृष्टिकोण में भी जो उन्होंने भारतीय समाज को मुगल प्रभाव के घेरे के मुक्त होने के लिए विकसित किया था। जब मुगलों ने भाषाई और संस्कृति के माध्यम से अपने प्रभुत्व का ग्रहण भारतीय संस्कृति पर लगाया, तुलसीदास ने सनातन संस्कृति का एक रक्षक बनकर एक साहित्यिक कृति तैयार की। तुलसीदास ने मुगलों की भाषा शैली के एक भी शब्द और उनकी अपसंस्कृति की छाया तक को अपने रामचरितमानस पर नहीं पड़ने दिया। गोस्वामी तुलसीदास ने 16वीं सदी में राम चरित मानस रचा। ऐसा माना जाता है भारतीय मानस को भवसागर पार लगाने वाले इस अनुपमतम ग्रंथ की रचना 1574 और 1576 के बीच हुई थी। यद्यपि ऐतिहासिक विवरणों में यह समय सीमा भिन्न हो सकती है, लेकिन राम चरित मानस स्वयं में कालजयी है और विश्वभर में फैले भारतीयों की एक अनमोल धरोहर।

मध्य युग में आततायी विदेशी मुगलों के विरुद्ध हिन्दू राजाओं और सिख गुरुओं के संघर्षों के बीच अपनी रचनात्मक तपस्या में गहराई से रत तुलसीदास एक अदृश्य नायक के रूप में सामने आए। तुलसी के राम चरित मानस ने अखिल भारतीय हिन्दू समाज के लिए एक संगठनात्मक बल प्रदान किया, भगवान राम को भारतीय सभ्यता के आदर्श नायक के रूप में प्रस्तुत करते हुए सनातन समाज को मुगलों के विरुद्ध संघर्ष के लिए प्रेरित किया। तुलसीदास की साहित्यिक कृति का प्रभाव केवल मुगलों के समूल नष्ट होने तक ही सीमित नहीं रहा। हमारे अर्वाचीन काल में तुलसीदास एक अदृश्य नायक के रूप में हमारे बीच विद्यमान हैं। तुलसी के रामचरितमानस की गूँज सारे ब्रह्माण्ड में विस्तृत हो रही है। भारत के सांस्कृतिक और आध्यात्मिक पुनर्जागरण में राम चरित मानस का प्रभाव रंग ला रहा है। अयोध्या में भव्य राम मंदिर निर्माण के साथ-साथ राम की पूजा और सनातन धर्म के पुनर्जागरण के हवन में तुलसीदास की ही सामग्री है।

विदेशी आक्रांतों से देश को मुक्त करने और भारतवर्ष की सनातनी प्रासंगिकता को पुनः स्थापित करने के पुण्य और सार्थक प्रयासों को आत्मसात करते हुए, तुलसीदास को 'राष्ट्र जनक' कहना वास्तव में अतिश्योक्ति नहीं है। राम का पुरुषोत्तम रूप, राम की शक्ति, राम की दिव्यता, और रामराज्य के सारे भाव-दर्शन संत तुलसीदास ही कराते हैं। भारत राष्ट्र चिंतन के सतत प्रेरणा स्रोत के रूप में राम चरित मानस काव्यशास्त्र ने तुलसी को एक ऐसा महान साहित्यकार बना दिया है जो चिरकाल तक भारत की अक्षुण्णता का पालनहार बना रहेगा।

तुलसीदास के योगदान से हिन्दू समाज को अपनी राष्ट्रीय और सांस्कृतिक विरासत के प्रति गर्व की अनुभूति होती है और एक सजीव दिव्यता का स्रोत मिलता है। राम चरित मानस, वास्तव में, एक कवि की अन्तर्निहित सृजनशक्ति का संदेश भी भविष्य के सभी साहित्यकारों को देता रहेगा।

तुलसीदास की अनमोल काव्यकृति ने भारतीय समाज को राष्ट्रीय और सांस्कृतिक विरासत का एक महत्वपूर्ण हिस्सा प्रदान किया है। उनके दृढ़ संकल्प ने समय के साथ चरित्रित होते हुए उन्हें एक महान साहित्यकार बना दिया है जो आज भी हमारी सांस्कृतिक और धार्मिक धाराओं का समर्थन करता है। इस प्रकार, गोस्वामी तुलसीदास का योगदान एक नए परिप्रेक्ष्य में हमारे समाज के लिए महत्वपूर्ण है जो हमें हमारी संस्कृति और धरोहर के प्रति गर्व महसूस कराता है। तुलसी ने जहां भारत नायक राम को समस्त भारतीय संस्कारों के स्रोत के रूप में अपने काव्य के माध्यम से जन मानस में उतारा है, वहीं वीर हनुमान को भारत के रक्षक के रूप में चित्त में धारण कराया हैः 'तुम रक्षक काहू का डरना' तुलसी ने भारत भूमि को भय-मुक्त कर दिया है। 30 जुलाई 1623 को बनारस में तुलसीदास ने देह त्याग कर दिया। मृत्यु देह की होती है, संस्कृति की नहीं। महान साहित्यकार और अपने काल को एक नया मोड़ देने वालों की सांस्कृतिक मृत्यु कभी नहीं होती। राम चरित मानस और हनुमान चालीसा लेकर तुलसीदास सांस्कृतिक अवतार के रूप में आज भी हमारे बीच विराजमान हैं और और सदैव रहेंगे।

(लेखक प्रोफेसर एमेरिटस, जीबी पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विवि हैं-साभार)

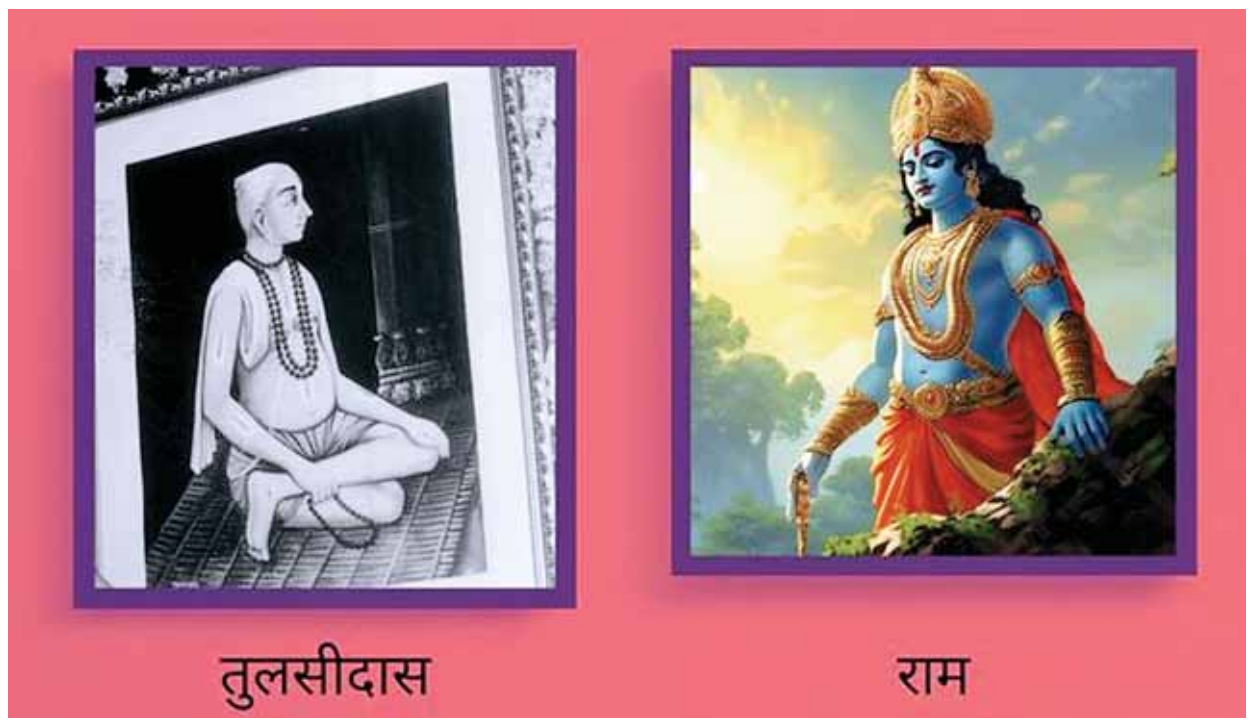

नर्मदापुरम के लिए सीएम की घोषणा के बाद सीमा को लेकर भ्रम

नर्मदापुरम पवित्र घोषित, डेढ़ किलो मीटर के दायरे में नहीं बिकेगी शराब

कितनी कारगर होगी मुख्यमंत्री मोहन यादव की यह घोषणा

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

नर्मदा जयंती पर मुख्यमंत्री मोहन यादव ने नर्मदा नदी पर बने जल मंच से घोषणा करते हुए नर्मदा नगरी को पवित्र नगरी घोषित किया है. इसी घोषणा के साथ उन्होंने यह भी घोषित किया है कि नर्मदा नगरी से डेढ़ किलोमीटर तक शराब बिक्री पर पूरी तरह प्रतिबंध रहेगा।

शराब बिक्री को लेकर उनके द्वारा किया गया यह ऐलान कितना सार्थक होगा इस बात को लेकर अभी कुछ स्पष्ट नहीं कहा जा सकता. इसी तरह पूर्व मंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा वर्ष 2016 में भी एक ऐलान किया गया था कि नर्मदा तट से 5 किलोमीटर के दायरे में किसी भी तरह की शराब बिक्री पर प्रतिबंध रहेगा।

पूर्व मुख्यमंत्री की यह घोषणा मात्र दिखावा साबित हुई क्योंकि वर्तमान समय नगर में भले ही शराब की अधिकृत दुकान भले ही नहीं हैं पर अबैध रूप से गली-गली अब शराब का कारोबार धड़ल्ले से जारी है.

अब वर्तमान मुख्यमंत्री मोहन यादव ने भी शराब बिक्री को लेकर नया ऐलान किया है. मुख्यमंत्री यादव के अनुसार नगर से डेढ़ किलोमीटर के दायरे में कोई भी शराब की बिक्री नहीं होगी, कोई भी शराब की दुकान नहीं खुलेगी. लेकिन उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि डेढ़ किलोमीटर का आशय क्या है? क्या नगर की सीमा से डेढ़ किलोमीटर दूर तक उनका आशय है या फिर जिला मुख्यालय से डेढ़ किलोमीटर दूर तक का उनका आशय है। पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भी कहा था कि नर्मदा नदी से 5 किलोमीटर के दायरे में कोई भी शराब की दुकान नहीं रहेगी. परंतु वर्तमान में रायपुर ग्राम की सीमा पर लगी

स्टेट हाईवे सड़क के किनारे जो शराब की दुकान स्थित है वह नर्मदा नदी से 5 किलोमीटर की दायरे में है. इस दुकान को लेकर राजपत्र में जिस तरह भ्रामक तरीके से नोटिफिकेशन जारी किया गया है उससे लगता है कि पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान का जो आशय था उसके अनुरूप काम नहीं हुआ।

इसी तरह पहाड़िया के पास नर्मदापुरम नगर सीमा से लगी एक अंग्रेजी शराब की दुकान खोली गई. शराब दुकान खोलने को लेकर सिर्फ यह देखा गया है कि यह 5 किलोमीटर के दायरे से दूर है. कितनी दूर है इस बात को लेकर कोई विचार नहीं किया गया है।इसी तरह अब नगर से डेढ़ किलोमीटर के दायरे में शराब की दुकान नहीं खुलेगी इस बात को भी लेकर शराब व्यवसाय किसी न किसी युक्ति का सहारा लेकर डेढ़ किलोमीटर के दायरे से थोड़ी ही दूर पर शराब की दुकान खोल लेंगे और प्रशासन उनको अनुमति भी दे देगा।

पौराणिक मान्यताओ के अनुसार नर्मदा नदी का प्रभाव चारों दिशा में 10 किलोमीटर तक है. फिर 5 किलोमीटर अथवा डेढ़ किलोमीटर के दायरे वाली बात कहां तक सही है. मुख्यमंत्री यादव ने डेढ़ किलोमीटर वाली बात को स्पष्ट नहीं किया है की डेढ़ किलोमीटर की सीमा कहां से तय की जाएगी. नगर की सीमा से या नगर मुख्यालय की सीमा से या नगर के बस स्टैंड की सीमा से डेढ़ किलोमीटर का आकलन किया जाएगा. इस बात को लेकर भी स्पष्टीकरण करना था. जो कि नहीं किया गया।

नर्मदा कॉलेज में मतदाता जागरूकता के तहत निरंतर जारी कार्यक्रम

तहत शत प्रतिशत अनिवार्य मतदान पर वाद विवाद प्रतियोगिता हुई संपन्न

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

मतदाताओं को जागरूक करने के लिए नर्मदा कॉलेज में निरंतर मतदाता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया जा रहे हैं. गत दिवस मतदाता जागरूकता स्वीप कार्यक्रम के अंतर्गत कालेज में वाद विवाद प्रतियोगिता आयोजित की गई। जिसका विषय रहा शत प्रतिशत मतदान से ही लोकतंत्र की सफलता निर्भर है ।

विद्यार्थियों ने पक्ष और विपक्ष में विविध शैली में उत्कृष्ट विचारों से सौ प्रतिशत मतदान की अनिवार्यता का संदेश दिया । स्वागत उद्बोधन में प्राचार्य डॉ ओ एन चौबे ने निष्पक्ष और अनिवार्य मतदान का आवाह्न करते हुए कहा कि मतदान के प्रतिशत को बढ़ाना हमारी नैतिक जिम्मेदारी है जिससे लोकतंत्र मजबूत बनाया जा सके। मार्गदर्शन देते हुए डॉ अमिता जोशी ने बताया कि हमें मतदान करने के अधिकार पर गर्व होना चाहिए। मतदान भविष्य का विधाता होता है । प्रतियोगिता डॉ मीना कीर, डॉ नीता वर्मा, डॉ यास्मीन खान कार्यक्रम के संयोजन में संपन्न हुई ।डॉ सविता गुप्ता, डॉ प्रीति आनंद उदयपुरे ,डॉ नीलू दुबे निर्णायक की भूमिका में रहे। डॉ हंसा व्यास, डॉ कल्पना विश्वास, की उपस्थिति रही।मयंक वाधवानी ने संचालन तथा खुशी साहू ने आभार जताया। सुमित साहू, अथर्व तिवारी, हर्ष द्विवेदी का विशेष सहयोग रहा। परिणाम इस प्रकार रहे।

पक्ष में कार्तिक रतनानी प्रथम, आदित्य गुप्ता द्वितीय, काजल कुमारी तृतीय तथा विपक्ष में अनुज सोनी प्रथम, देव श्रीवास्तव द्वितीय स्थान पर रहे। विजेताओं को प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

संत रविदास स्वरोजगार योजना, अनुसूचित जाति वर्ग के लिए संचालित

सीहोर, दोपहर मेट्रो

अनुसूचित जाति वर्ग के लिए संचालित संत रविदास स्वरोजगार योजना अन्तर्गत नवीन उद्यमों की स्थापना के लिए देय होगा। इस योजना में अनुसूचित जाति वर्ग के आवेदको की अर्हता एवं वित्तीय सहायता का प्रावधान किया गया है। योजना के तहत उद्योग (विनिर्माण) इकाई के लिए 01.00 लाख से 50.00 लाख तक की परियोजाएं और सेवा (सर्विस) इकाई एवं खुदरा व्यवसाय (रिटेल ट्रेड) के लिए रू.1.00 लाख से 25.00 लाख तक की परियोजाए संचालित हैं।

आवेदक अनुसूचित जाति वर्ग का सदस्य हो। जिले का मूल निवासी हो एवं आयु 18 से 45 वर्ष तक शैक्षणिक योग्यता न्यूनतम 8वी कक्षा उत्तीर्ण एवं वार्षिक आय रूपये 12.00 लाख से अधिक न हो। परिवार से आशयः आवेदक के अविवाहित होने पर आवेदक स्वयं एवं उसके माता पिता से है, जिन पर वह आश्रित है, अथवा आवेदक के विवाहित होने पर पति/पत्नि एवं आश्रित बच्चों (आश्रित एवं अविवाहित बच्चों की उम्र का कोई बंधन नही) है। आवेदक स्वंय किसी बैंक आथवा किसी वित्तीय संस्था से डिफाल्टर न हो। आवेदक वर्तमान में राज्य अथवा केन्द्र शासन की किसी अन्य स्वरोजगार योजना का हितग्राही न हो। योजनांतर्गत ब्याज अनुदान अनुसूचित जाति वर्ग के हितग्राहियों को बैंक द्वारा वितरित,शेष ऋण पर 5 प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से अधिकतम 7 वर्षों तक नियमित रूप से ऋण भुगतान की शर्त पर दिया जावेगा। मध्यप्रदेश शासन द्वारा ग्यारंटी फीस देय होगी। योजनांतर्गत प्रशिक्षण के इच्छुक हितग्राही 12 दिवसीय उद्यमिता विकास प्रशिक्षण ऑनलाईन ट्रेनिंग मोडयूल के माध्यम से प्राप्त कर सकेगें। उद्योग (विनिर्माण), सेवा एवं व्यवसाय क्षेत्र की समस्त परियोजनाए जो सीजीटीएमएसई अंतर्गत बैंक त्रण गारंटी के लिए पात्र हैं। विभाग द्वारा शासकीय योजनाओं के लिए निर्माणाधीन (के माध्यम आवेदन किया जावेगा। योजना से संबंधित और अधिक जानकारी हेतु कार्यपालन अधिकारी जिला अंत्यावसायी सहकरी विकास समिति कलेक्ट्रेट कार्यालय कमरा नं.121 एंव 122 में कार्यालयीन समय में सम्पर्क किया जा सकता है। योजनाऐ अनुसूचित जाति वर्ग के आवेदकों के लिए है।

छेडका ग्रामीण पर्यटन गांव में स्टारगेजिंग प्रशिक्षण का शुभारंभ

पर्यटकों के लिए आकर्षण का केन्द्र बना ग्रामीण पर्यटन छेड़का ग्राम

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश पर्यटन बोर्ड के द्वारा चलाई जा रही ग्रामीण पर्यटन परियोजना के अंतर्गत जिला प्रशासन ,जिला पुरातत्व पर्यटन एवं संस्कृति परिषद एवं इंडियन ग्रामीण सर्विसेज के सहयोग से स्टारगेजिंग इंडिया के माध्यम स्टारगेजिंग प्रशिक्षण का शुभारंभ किया गया। इस कार्यक्रम में सोहागपुर के अनुविभागीय अधिकारी बृजेंद्र रावत एवं जिला पर्यटन प्रबंधक मनोज सिंह ठाकुर की उपस्थित रहकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।

स्टारगेजिंग प्रशिक्षण के माध्यम से मढ़ई के आसपास के क्षेत्रों के युवक युवतियों को रोजगार से जोड़ने की पहल मध्य प्रदेश पर्यटन टूरिज्म बोर्ड के द्वारा किया जा रहा है । यह प्रशिक्षण छेडका पर्यटन गांव के होमस्टे में एक महीने तक थ्योरी क्लासेस के माध्यम से दिया जा रहा है एवं प्रैक्टिकल सेशन के द्वारा टेलिस्कोप में माध्यम से ग्रह नक्षत्र एवं तारामंडल के बारे में संपूर्ण जानकारी से दिया ज रहा है। स्टारगेजिंग इंडिया के प्रमुख नरेंद्र गौर ने बताया कि एस्ट्रो गाइड शिविर में स्थानीय युवाओं को खगोल विज्ञान का ज्ञान दिया जा रहा है। रात्रि दरमियान दिखने वाले तारे, नक्षत्र, राशि, ग्रह, तारा मंडल के बारे में

सिखाया जा रहा है। खगोल विज्ञान हमारा प्राचीन विज्ञान है। हमारा कैलेंडर, हमारी संस्कृति, पौराणिक कथाएं खगोल से जुड़ी हुई है।

आज कल शहरों एवं बड़े गांवों में लाइट प्रदूषण की वजह से बहुत कम तारे दिखते हैं तब स्टारगेजिंग इंडिया के द्वारा पर्यटन बोर्ड एवं जिला प्रशासन की सहायता से मध्य प्रदेश के विभिन्न प्रवास स्थलों पर एस्ट्रो टूरिज्म को बढ़ावा देने तथा स्थानीय युवाओं को रोजगार हेतु प्रयास किए जा रहें है।

जिला पुरातत्व पर्यटन एवं संस्कृति परिषद के पर्यटन प्रबंधक द्वारा बताया गया कि पर्यटन क्षेत्र में अपार संभावनाएं है जिसमे पर्यटकों के सर्च स्थानीय लोगो को भी लाभ मिलेगा। इंडियन ग्रामीण सर्विसेज के पचमढ़ी संकुल प्रमुख अर्चना दास ने बताया कि नर्मदापुरम जिले के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल मढ़ई के छेडका, ढाबा एवं ऊर्दन गांव में ग्रामीण पर्यटन परियोजना के अंतर्गत होमस्टे बनाये जा रहै है जिसके माध्यम से पर्यटक आदिवासी गांव के रहन-सहन संस्कृति परंपरा आदि से रूबरू हो पाएंगे एवं ग्रामीण अनुभव का लुफ्त उठा पाएंगे जिसके माध्यम से स्टार गेजिंग के द्वारा यहां के युवक युवतियों को रोजगार का एक अच्छा मौका व अवसर मिल पाएगा साथ ही मढ़ई एवं पर्यटन गांव में आने वाले पर्यटक स्टारगेजिंग के आनंद उठा पाएंगे। ओर नया अनुभव ले पाएंगे ।

प्रधानमंत्री श्रमयोगी मानधन योजना में 60 वर्ष बाद मिलेगी 3 हजार रूपए पेंशन

सीहोर। केन्द्र सरकार द्वारा असंगठित श्रमिकों की सामाजिक सुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुए केन्द्रीय श्रम मंत्रालय द्वारा प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन पेंशन योजना प्रारंभ की गई है। इस योजना के अंतर्गत 18 से 40 वर्ष आयु वर्ग के समस्त असंगठित क्षेत्र के श्रमिक जिनकी मासिक आय 15 हजार से कम है, इस योजना के लिए पात्र होंगे। योजना के अंतर्गत नामांकन के लिए 18 से 40 वर्ष आयु वर्ग के श्रमिकों को प्रतिमाह 55 से 200 रूपये प्रीमियम के रूप मे जमा करना होगी।

भारत सरकार श्रम मंत्रालय द्वारा जमा की जाएगी जिसमें 50 प्रतिशत प्रीमियम की राशि भारत सरकार श्रम मंत्रालय द्वारा वहन की जाएगी। श्रमिक की 60 वर्ष आयु पूर्ण होने पर बीमित व्यक्ति को 3 हजार प्रतिमाह रूपए पेंशन के रूप में प्राप्त होगी। इस योजना के संचालन के लिए भारतीय जीवन बीमा निगम को अधिकृत किया गया है। इस योजना के लिए इच्छुक श्रमिक योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए निकटतम कॉमन सर्विस सेंटर (कियोस्क) पर जाकर अपना नामांकन करा सकते हैं। नामांकन के समय श्रमिक को आधार कार्ड एवं बैंक खाता नंबर अनिवार्य रूप से देना होगा। प्रीमियम की प्रथम किश्त श्रमिक के आयु वर्ग के अनुसार 55 से 200 रूपये कॉमन सर्विस सेंटर में नगद जमा की जाएगी।

नर्मदा जयंती पर महाप्रसाद वितरण

नर्मदापुरम। सात रस्ता रोड स्थित रेलवे स्टेशन के पास संकट मोचन हनुमान मंदिर पर नर्मदा जयंती के शुभ अवसर पर महाप्रसादी वितरण का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के संयोजक राकेश कुमार ने बताया कलयुग में हनुमान जी बड़े ही प्रतापी देवता है। उनके स्मरण और आराधना से बड़े-बड़े संकट टल जाते हैं। इस अवसर पर सामाजिक कार्यकर्ता राम गोविंद चौहान मधुर कोरियर के मालवीय जी नगर पालिका के गुड्डा गोस्वामी वैष्णव साधु महाराज सहित अन्य लोगों ने प्रसादी वितरण कार्यक्रम में सहयोग दिया।

ईवीएम मशीनों के प्रथम चतुर्मासिक भौतिक सत्यापन हेतु दल गठित

रायसेन। मप्र राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जिले में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों ईवीएम का प्रथम चर्तुमासिक भौतिक सत्यापन किया जाना है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी (स्था.निर्वाचन) अरविंद दुबे द्वारा ईवीएम मशीनों का प्रथम चर्तुमासिक भौतिक सत्यापन हेतु जिला स्तर पर दल गठित किया गया है। जिसमें उप जिला निर्वाचन अधिकारी (स्था.निर्वाचन) रायसेन को अध्यक्ष, कार्यपालन यंत्री ग्रामीण यांत्रिकी सेवा रायसेन को वेयरहाउस प्रभारी, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व रायसेन को सदस्य और कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग रायसेन को सदस्य बनाया गया है। ईवीएम मशीनों का प्रथम चतुर्मासिक भौतिक सत्यापन कार्य शासकीय कन्या महाविद्यालय रायसेन में 21 फरवरी को प्रातः 10.30 बजे से प्रारंभ किया जाएगा। गठित दल को निर्धारित तिथि एवं समय पर अनिवार्य रूप से उपस्थित रहकर समय सीमा में कार्य सम्पादित कराने के आदेश दिए गए हैं।

मेट्रो एंकर | मण्डी व्यापारियों को मिली राहत, निर्देश हुए जारी

प्रदेश के मण्डी व्यापारियों को 30 वर्ष तक की अवधि के लिए मिलेगा लाइसेंस

रायसेन, दोपहर मेट्रो

प्रदेश के मण्डी व्यापारियों को अब 30 वर्ष तक की अवधि के लिये लायसेंस मिलेगा। मण्डी व्यापारियों की फीस में भी कमी की गई है। इससे प्रदेश के मण्डी व्यापारी लाभान्वित होंगे। इस संबंध में मण्डी बोर्ड से जारी आदेश 24 फरवरी, 2024 से प्रभावी होगा।

किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री सह अध्यक्ष मध्यप्रदेश राज्य कृषि विपणन बोर्ड ऐदल सिंह कंषाना के निर्देश पर मण्डी व्यापारियों के लायसेंस की अवधि को बढ़ाने संबंधी निर्देश जारी कर दिये हैं। प्रदेश की 259 मण्डी समितियों द्वारा व्यापारियों को दी जाने वाली अनुज्ञप्ति लायसेंस की अवधि 5 वर्ष से बढ़ाकर 30 वर्ष कर दी गई है। सभी मण्डी समितियों को अधिनियम की धारा-81 के तहत मण्डियों में प्रवृत्त उप विधि में 23 फरवरी, 2024 तक आवश्यक संशोधन करने को कहा है। उन्होंने बताया है कि निर्धारित दिनांक तक संशोधन नहीं होने पर आदेश स्वतरू 24 फरवरी से लागू हो जायेगा।

मण्डी बोर्ड के प्रबंध संचालक श्री श्रीमन शुक्ला ने बताया है कि नवीन जारी आदेशानुसार मध्यप्रदेश के 65 हजार से अधिक व्यापारियों को प्रत्येक 5 साल में लायसेंस नवीनीकरण कराने की जरूरत नहीं पड़ेगी। उन्होंने बताया है कि लायसेंस फीस में भी बदलाव किये गये हैं। वाणिज्यिक (द्वितीयक) संव्यवहार के लिये व्यापारी लायसेंस फीस को 25 हजार से घटाकर 5 हजार रुपये किया गया है।

एक लाख रुपये की प्रतिभूति राशि समाप्त

प्रसंस्करणकर्ता विनिर्माता के लायसेंस पर लगने वाली एक लाख रुपये की प्रतिभूति राशि को भी समाप्त कर दिया गया है। शासन द्वारा लिये गये निर्णयों से मण्डी व्यापारियों में हर्ष व्याप्त है।

सब्जी व्यापारी का नोटों से भरा बैग, सब्जी मंडी से किया गायब

देर शाम को व्यापारी थाने पहुंचे शिकायत करने

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

शनिवार को नवीन सब्जी मंडी में थोक में किसानों से सब्जी खरीदने वाले व्यापारी का नोटों से भरा हुआ बैग गायब हो गया जिसके बाद पूरे मंडी में हड़कंप मच गया नोटों से भरे बैग जरा सी देर में गायब कर दिया गया और उसकी कोई पकड़ भी नहीं पाया। बैग में लगभग डेढ़ लाख रुपये होना बताया जा रहा है इसके द्वारा उक्त घटना को अंजाम दिया है उसकी खोजबीन की गई इसी दौरान पता चला कि एक छोटा लड़का सब्जी व्यापारी से सरदार कुरैशी के हाथों से बैग छीन कर ले गया। सब्जी मंडी से इस तरह की घटना पहली बार सामने आई है नोटों से भरा बैग लेकर गायब हो गया दूसरी ओर इतनी बड़ी घटना घटित होने के बाद भी थाने में इसकी सूचना तत्काल नहीं दी गई देर शाम को व्यापारी थाने में शिकायत करने के लिए पहुंचा उसके बाद पुलिस घटनाक्रम की छानबीन में जुटी।

जबकि डेढ़ लाख रुपए से भरा बैग सुबह के समम सब्जी मंडी से चोरी हो गया जो पुलिस थाने के सामने ही लगती है। पुलिस के पास कोई शिकायत नहीं होने के कारण तत्काल मामले में पुलिस कार्रवाई भी नहीं कर पाई शाम 7 बजे के बाद नोटों से भरा बैग गायब होने वाला व्यापारी जरदार कुरेशी थाने में शिकायत करने के लिए पहुंचा इसके बाद थाना प्रभारी संदीप सिंह पंवार ने मामले की जानकारी लेकर नोटों को गायब लिया करने वाले व्यक्ति की खोजबीन करने के लिए जानकारी जुटाना प्रारंभ किया। सब्जी मंडी से इतनी बड़ी रकम गायब होने से सभी सब्जी व्यापारियों में डर का माहौल भी देखने को मिल। किसानों से सब्जी खरीद कर इनको तत्काल भुगतान थोक में व्यापारी करते हैं फिर इस माल को फुटकर में बेचने का काम व्यापारियों के द्वारा किया जाता है। इस वजह से पैसे लेकर व्यापारी सब्जी मंडी पहुंचते हैं नगद भुगतान किसानों को करना पड़ता है। डेढ़ लाख की लूट का मामला है और वह भी दिनदहाड़े का है जिसकी भनक पुलिस को नहीं लग पाई । जबकि नवीन सब्जी मंडी भी पुलिस थाने के सामने ही संचालित हो रही है। पहले भी कई किसानों के साथ इस तरह की घटनाएं घटित हो चुकी है । वहीं सब्जी व्यापारी के साथ हुई हैं ।

इनका कहना है -

जैसे ही हमारे पास व्यापारी बैग से भरा नोट गायब होने की शिकायत लेकर आया तो हमने कार्रवाई प्रारंभ कर दी है सुबह की घटना हुई है शाम को व्यापारी शिकायत करने आया है।

संदीप सिंह पवार, थाना प्रभारी सिरोंज

नगर महोत्सव मेला के नाम पर लाखों खर्च, नहीं है सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम!

परीक्षा के समय मिला क्यों जरूरी, जवाब देने से बचते नजर आ रहे अधिकारी

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

बोर्ड परीक्षा का समय चल रहा है ऐसे में देर रात तक भारी शोरगुल और मेला नगर पालिका के जिम्मेदार अधिकारियों के लिए कितना जरूरी क्यों है यह समझ से परे है नगर के मंशापूर्ण हनुमान मंदिर के समीप मेले का आयोजन किया जा रहा है जिसके शोरगुल से परीक्षार्थी परेशान है यही नहीं सिरोंज लटेरी मुख्य मार्ग की यातायात व्यवस्था भी बाधित हो रही है उक्त मेल को लेकर जब स्थानीय एसडीएम हर्षल चौधरी से बात की गई तो उन्होंने बताया मेले की अनुमति हमने नहीं दी यह नगर पालिका से हुआ है और इस मेले का खर्च भी नगर पालिका उठा रही है वक्त मामले को लेकर जब नगर पालिका के अधिकारियों से संपर्क किया गया तो वह इस पूरे मामले से बचते नजर आ रहे हैं वही मेले में होता है असामाजिक तत्वों का जमावड़ा नहीं रहती कोई सुरक्षा के इंतजाम वहीं पार्किंग के नाम पर वसूले जा रहे हैं मोटी राशि वहीं निजी भूमि मेला लगाया गया है पूर्व में शासकीय भूमि पर मेला लगाया गया था जिससे यह जाहिर होता है कि किसी कथा कातिल लोगों को नगर पालिका फायदा पहुंचाने में लगी है, आयोजन के नाम पर लाखों रुपए खर्च कर रही है।

वही नगर पालिका पूरी व्यवस्थाएं देख रही है इतना ही नहीं कई नगर पालिका कर्मचारी यहां पर ड्यूटी कर रहे हैं वही सवाल यह है कि कर्ज में नपा फिर भी मेला जरूरी। प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत बने अधूरे आवास की किस्त व अन्य कार्यों को लेकर जब भी बात की जाती है तो नगर पालिका अधिकारी बजट नहीं होने का हवाला देते हैं लेकिन मेला के लिए नपा के पास बजट पर्याप्त है या फिर मेला के नाम पर लाखों रुपए खर्च कर बंदर वाट का खेल जारी है। वही नगर पालिका द्वारा सुरक्षा के कोई पुख्ता इंतजाम नहीं किए गए यदि कोई कार्यक्रम होता है तो कार्यक्रम स्थल के बाहर फाइव ग्रेट खड़ी की जाती है लेकिन यहां पर कुछ नहीं है।

इन सवालों के जवाब जानना चाहती है जनता

- बोर्ड परीक्षा के समय मेला क्यों जरूरी
- मेला आयोजित करने की अनुमति आखिर क्यों गई
- मेला मैं सुरक्षा व्यवस्था के क्या इंतजाम
- नपा के लिए मेला इतना जरूरी क्यों

निजी विद्यालय फीस, संबंधित विषयों का विनियमन नियमका पालन करने के निर्देश जारी

सीहोर, दोपहर मेट्रो।

राज्य शासन के स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा निजी विद्यालय फीस तथा संबंधित विषयों का विनियम अधिनियम-2017 एवं नियम-2020 को अधिसूचित किये गये हैं। अधिनियम एवं नियम अधिसूचना जारी दिनांक से प्रवृत्त होकर लागू हैं। अधिनियम-2017 एवं नियम 2020 के क्रियान्वयन में सुगमता को दृष्टिगत रखते हुए पूर्व निर्देशों में परिवर्तन किये गये हैं। वेबसाइट की नवीन लिंक http://dpimp.in/ है, जिस पर प्रत्येक निजी विद्यालय अनिवार्यतः अपना यूजर आईडी एक्टिवेट करना सुनिश्चित करेंगे। वेबसाइट लॉगइन करने के लिए निजी विद्यालय का यूजर आईडी विद्यालय का यूडाईस कोड निर्धारित किया गया है।

विद्यालयों के लिये डिफाल्ट पासवर्ड Fees@1234 है। प्रथम बार यूजर आईडी एक्टिवेट (क्रियाशील) करने के उपरांत डिफाल्ट पासवर्ड रिसेट (परिवर्तित) करना होगा। तत्पश्चात निजी विद्यालय अपने विद्यालय से संबंधित विभिन्न वांछित जानकारी की प्रविष्टि http://dpimp.in / वेबसाईट पर लागइन कर करेंगे। इस संबंध में आयुक्त लोक शिक्षण मध्यप्रदेश ने समस्त कलेक्टर, समस्त संभागीय संयुक्त संचालक लोक शिक्षण तथा जिला शिक्षा अधिकारियों को सभी निजी विद्यालयों को नियम- 2020 अंतर्गत जानकारी की प्रविष्टि एवं विद्यालय की सामान्य जानकारी अद्यतन, अपडेट करने के सत्यापित करेंगे। समस्त निजी विद्यालय द्वारा शैक्षणिक सत्र 2023-24 के लिये नियत की गई फीस संरचना कक्षावार एवं संवर्गवार विभिन्न मदों में की जानकारी पोर्टल पर प्रविष्ट / अपलोड करने के निर्देश दिये गये है। समस्त निजी विद्यालय विगत तीन वर्षों के संपरीक्षित (आडिटेड) लेखों की जानकारी मॉड्यूल पर उपलब्ध प्रारूप दो अनुसार वेबसाइट पर अपलोड करेंगे।

गैर न्यायिक स्टाम्प पेपर पर आवश्यक वचन पत्र

निर्धारित प्रविष्टिया करने के उपरांत संबंधित विद्यालय निर्धारित प्रक्रिया फीस ऑनलाइन जमा करेगा। संबंधित विषयों का विनियमन - नियम 2020 के पालन में निजी विद्यालयों द्वारा संबंधित विषयों के विनियमन के लिए प्रारूप-छः अनुसार 100/- रूपये के गैर न्यायिक स्टाम्प पेपर पर आवश्यक वचन पत्र अपलोड करेंगे।निजी विद्यालय वेबसाइट पर आने वाली किसी भी प्रकार की तकनीकि समस्या अथवा प्रक्रियात्मक जानकारी के लिए आनंद मिश्रा मोबा. 8319129439 एवं शुभम सेनर्क मोबा.. 8359014228 से संपर्क कर सकते है।

मुझे नहीं लगता था कि यज्ञ होगा लेकिन कनक बिहारी की प्रेरणा ने कर दिखा: चंपत राय

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

अयोध्या धाम में 2121 कुंडली महायज्ञ संपन्न हो रहा है जिसके शिल्पकार कनक बिहारी दास जी महाराज है। वहीं सम्राट कनकबिहारी दास जी महाराज ने जब पहली बार अयोध्या में मुझ से यज्ञ के संबंध में चर्चा की थी तो मुझे एक पल के लिए भी विश्वास नहीं हो रहा था कि यह दुबला पतला साधु अयोध्या में विराट महायज्ञ को संपन्न करेगा। भले ही महाराज जी का शरीर अब मौजूद नहीं है। आज उनकी प्रेरणा से रघुवंशी समाज की संकल्प शक्ति, अभूतपूर्व साहस एवं उत्साह से यज्ञ पूर्णता की ओर है। यह बात अयोध्या की बड़ी छावनी में आयोजित हो रहे रघुवंशी समाज के 2121 कुंडीय श्री राम महायज्ञ के कथा मंच से धर्म सभा को संबोधित करते हुए राम जन्म भूमि न्यास के महामंत्री चंपत राय ने कही। यज्ञ समिति की ओर से जगतदुरु रामानंदाचार्य स्वामी कामदगिरि पीठाधीश्वर चित्रकूट रामस्वरूपाचार्य महाराज ने चंपतराय का पुष्प मालाओं और शाल से सम्मान किया। उन्होंने कहा कि रामलाल का यह मंदिर एक व्यक्ति का नहीं नहीं बल्कि आप सबका है। अयोध्या में 3000 से अधिक मंदिर हैं । सप्त दिवसीय श्री राम कथा को संबोधित करते हुए कामदगिरि पीठाधीश्वर जगतगुरु रामानंदाचार्य स्वामी रामस्वरूपाचार्य महाराज ने कथा मंच को संबोधित करते हुए कहा कि संतान को मरते समय संपत्ति नहीं, बल्कि संस्कार देना चाहिए। बाली ने मरते समय अपने पुत्र अंगद को राज्य ना सौंपकर ,बल्कि राम के हाथ में सौंप दिया, जिसके कारण आज रामायण में अंगद श्रद्धा के पात्र हैं। कथा के दौरान बड़ा भक्तमाल के वयोवृद्ध महंत कौशल किशोर दास महाराज, सोनकच्छ से ब्रह्मचारी मनोहर दास, महंत रामकिशोर किशोर महाराज, कथा वाचिका रमाकिशोरी, कनकधाम के महंत श्यामदास महाराज,लखनदास छोटे बाबा, लालदास बाबा,पटेल बाबा, आचार्य प्रेम नारायण शास्त्री बनारस आचार्य विवेक मिश्र सहित अयोध्या के अन्य संत मंच की शोभा बढ़ा रहे थे।

गौसंवर्धन योजना के तहत 10 लाख रूपये का ऋण

रायसेन । पशुपालन विभाग के अंतर्गत आचार्य विद्यासागर गौसंवर्धन योजना संचालित की जा रही है। योजना का मुख्य उद्देश्य दुग्ध उत्पादन में वृद्धि, हितग्राहियों की आर्थिक स्थिति में सुधार लाना, पशुओं की दुग्ध उत्पादन क्षमता में वृद्धि और रोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए योजना का लाभ किसानों को मिल सके, इसके लिए राज्य शासन द्वारा आचार्य विद्यासागर गौसंवर्धन योजना बनाई गई। पशु चिकित्सक विभाग ने बताया कि योजना में सभी वर्ग के हितग्राही शामिल है। इस योजना का लाभ लेने के लिए हितग्राही के पास कम से कम 5 पशु और एक एकड़ कृषि भूमि होना आवश्यक है। पशुओं की संख्या में वृद्धि होने से अनुपातिक रूप से वृद्धि का न्यूनतम कृषि भूमि का निर्धारण किया जाएगा। योजना के क्रियान्वयन को प्राथमिकता दी जाएगी। योजना में सभी वर्ग के सीमांत एवं लघु कृषक योजना का लाभ ले सकते है।

ट्रैफिक पुलिस वाहनों की तो कर रही है जांच , मनमर्जी से सड़कों पर वाहनों को खड़े करने वालों पर मेहरबान

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

शहर की यात्रा व्यवस्था ठीक करने के लिए यातायात थाना प्रभारी से लेकर वल भी मौजूद है। उसके द्वारा शहर वासियों की समस्या को दूर करने के लिए तो कम नहीं उठाया जा रहे हैं। वाहन चालकों की जांच पड़ताल करके चालानी कार्रवाई करने का काम जरूर प्रतिदिन किया जा रहा है। इस वजह से वाहन चालकों की चालानी कार्रवाई का जरूर सामना करना पड़ा पर ट्रैफिक की समस्या जस की तस बनी हुई है। क्योंकि कई वाहन चालकों के द्वारा मनमर्जी से कहीं भी वाहनों को खड़ा कर दिए जाते हैं । साथ ही अधिकांश ठेले वालों के द्वारा भी कही भी खड़े करने का काम किया जा रहा है। इस वजह से चैड़ी सड़कें भी सकरी हो जाती है।

पुलिस चैकी के सामने भी लापरवाही देखने को मिलती है । यहां जाम लगा रहता और पुलिसकर्मी चैकी में मौजूद रहते हैं हंड्रेड डायल भी खड़ी रहती है फिर भी मनमर्जी से सब्जी फल के ठेलों के साथ दोपहिया चार पहिया वाहन खड़े कर दिए जाते इनको कई घंटे तक हटाया नहीं जाता है। इस कारण से मार्ग सकरे हो जाते हैं। जाम की स्थिति बनी रहती है वाहन चालक परेशान होते रहते हैं। पुलिस कुर्मी खड़े होकर तमाशा देखते रहते हैं। इस तरह की स्थिति शहर के अन्य स्थानों पर देखने को मिल रही है मुख्य बाजार से लेकर बस स्टैंड अन्य चैराहा पर भी लापरवाही से इनके लगने का काम किया जा रहा है। आखिर इन पर यातायात पुलिस क्यों मेहरबान है ट्रैफिक व्यवस्था को ठीक करने की जिम्मेदारी पुलिस की है लेकिन इस काम को ना करते हुए दूसरे काम को जरूर यातायात पुलिस करती हुई नजर आ रही है। अव देखना है की जिम्मेदार अधिकारी इस और ध्यान देकर ट्रैफिक व्यवस्था को ठीक करने के लिए ठोस कदम उठाएंगे या नहीं।

मेट्रो एंकर स्वावलंबी भारत अभियान : शहर के कई सामाजिक संगठनों की हुई बैठक

स्वावलंबी भारत अभियान के माध्यम से युवाओं को जोड़कर रोजगार के प्रति आकर्षित करें : तरुण यादव

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

स्वालंबन भारत देश मैं इस समय की बड़ी मांग है। भारत देश कई वर्षों पहले भी स्वावलंबन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता था तथा पूरे विश्व में उत्पादन का एक बड़ा भाग भारत से होकर जाता था, लेकिन कुछ काल खंडों में हमने वह परंपराएं भुला दी हैं। हम भगवान हनुमान की तरह हो गए हैं, जिनको भूलने का श्राप लगा था।

केवल आवश्यकता है तो आप देश के युवाओं को जागने की आवश्यकता है। पूरे विश्व में कई देश ऐसे हैं जो अपने यहां पूरे विश्व का उत्पादन का बहुत बड़ा हिस्सा अपने देश से देते हैं यदि भारत का युवा एकजुट होकर धैर्य और साहस के साथ अपने-अपने क्षेत्रों के अनुसार स्वरोजगार व उत्पादन में लग जाए तो फिर पुनः हम पूरे विश्व को उत्पादन का बहुत बड़ा भाग हम भारत से दे सकते हैं। और मुझे विश्वास है कि देश का युवा अब इस कड़ी में आगे बढ़ने लगा है। उक्त बातें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ नगर कार्यालय में आयोजित सामाजिक संगठनों की बैठक के दौरान स्वावलंबन भारत अभियान के चार विभाग पूर्णकालिक तरुण यादव ने कहीं। वही उन्होंने ने बैठक के दौरान संबोधित करते हुए कहा कि देश में 37 करोड़ युवा है जबकि लगभग 21 प्रतिशत नौकरियां देश में हैं। कैसे हर युवाओं को नौकरी मिल सकती है। इसीलिए युवाओं को आत्मनिर्भर बनने के लिए स्वरोजगार से जुड़ना होगा तब जाकर देश में बेरोजगारी खत्म हो पाएगी। वही मिल्खा सिंह का उदाहरण देते हुए कहा कि मिल्खा सिंह 80 वर्ष से अधिक उम्र तक दौड़ते रहे ऐसे युवाओं की आवश्यकता है ना की बेरोजगारी का रोना रोने की। वही जिला पूर्णकालिक अंकित पाठक में स्वावलंबन भारत अभियान के संबंध में विस्तृत जानकारी बैठक के दौरान राखी उन्होंने बताया कि किस तरह युवाओं को स्वावलंबन के माध्यम से जोड़कर रोजगार के प्रति आकर्षित कर सकते हैं उन्होंने कहा कि माए एसबीए सोशल साइट के माध्यम से भी पंजीयन कराकर युवाओं को वालंटियर बना सकते हैं।

जिससे कि उन्हें माए एसबीए के माध्यम से शासन की योजनाओं की जानकारी घर बैठे ही मिल सके। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ जिला सह कार्यवाह पहलवान सिंह ने कहा कि संघ लगातार शाखाओं, गतिविधियों एवं अन्य प्रकल्पों के माध्यम से स्वालंबन भारत अभियान को लेकर कार्य कर रहा है। क्योंकि आज देश में आत्मनिर्भर भारत के लिए कार्य करना बहुत ही महत्वपूर्ण है। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल, हिंदू जागरण मंच, किसान संघ, मजदूर संघ, राज्य कर्मचारी संघ, सहकार भारती सहित स्वावलंबी भारत अभियान के प्रमुख कार्यकर्ता बैठक में मौजूद रहे।

युवाओं में लंबी सिटिंग से बढ़ी स्लिप डिस्क, पोश्चर बदलते रहें

स्लिप डिस्क की समस्या पहले अधिक उम्र के लोगों में ही देखने को मिलती थी लेकिन पिछले कुछ वर्षों से युवा भी इससे पीड़ित हैं। लंबी सिटिंग और व्यायाम आदि न करने के साथ वर्कफ्रॉम होम से इसकी समस्या और बढ़ी है। सही समय पर इसका इलाज होना लकवे का भी कारण बन रहा है। अगर डिस्क में ज्यादा दिक्कत है या फिर नसों पर अधिक दबाव है तो इसमें सर्जरी की जरूरत पड़ती है। एक अनुमान के अनुसार 10 मरीजों में से एक को ही सर्जरी की जरूरत पड़ती है। सर्वे के मुताबिक बीते एक साल में क्लीनिक की ओर से जिले में लगाए गए पेन मैनेजमेंट एवं अर्थराइटिस जांच शिविरों में 2100 मरीज रजिस्टर्ड हुए। इनमें करीब एक हजार लोग पीठ दर्द से पीड़ित थे। युवाओं की संख्या 600 थी, जिसमें से 216 युवाओं में स्लिप डिस्क की समस्या मिली। डॉक्टर बताते हैं पीठ दर्द, गले में दर्द और स्लिप डिस्क की समस्या हर उम्र में बढ़ रही है। बीते 14 साल में शिविरों में 30 हजार रोगी देखे गए हैं। तब से अब तक पीठ दर्द की समस्या से पीड़ति युवाओं की संख्या 20 फीसदी से 60 फीसदी तक पहुंच गई है। बता दें वक्त के साथ मोबाइल और लैपटॉप का इस्तेमाल बढ़ा है। लोग लगातार इसका उपयोग करते हैं और इस दौरान शरीर की मुद्रा का ध्यान नहीं रखते। कोई भी सामान उठाते वक्त बिना घुटने मोड़े आगे झुकना और झटके से उठना स्लिप डिस्क का अहम कारण है। जिम करने वालों में यह समस्या ज्यादा होती है।

ये है स्लिप डिस्क

रीढ़ की हड्डी में मौजूद हड्डियों को सहारा देने के लिए छोटी-छोटी गद्देदार डिस्क होती है। जो रीढ़ की हड्डी को झटकों से बचाती है और उसको लचीला रखती है लेकिन जब एक डिस्क क्षतिग्रस्त हो जाती है तो इसमें सूजन आ जाती है या यह टूटकर खुल सकती है। इसे स्लिप डिस्क कहते हैं।

इसके कारण

ज्यादा समय तक एक ही पॉजिशन में बैठना, शरीर ज्यादा मोड़ने से, गलत तरीके से झुकना, अधिक वजन उठाने, गड्ढों में गाड़ी चलाना आदि से रीढ़ की हड्डी को नुकसान होता है।

एंडोस्कोपिक सर्जरी से जल्दी रिकवरी संभव

स्लिप डिस्क का इलाज अलग-अलग चरणों में होता है। सबसे पहले मरीज को फिजियोथैरेपी दी जाती है और कुछ मेडिसिन से दर्द को नियंत्रित किया जाता है। फिजियोथैरेपी में विशेष व्यायाम से दर्द को कम करने का प्रयास होता है। अगर फिर भी ठीक नहीं होता है तो इसमें सर्जरी की जाती है। इसे डिस्केटॉमी कहते हैं। एंडोस्कोपिक डिस्केटॉमी से मरीज की छोटे चीरे से सर्जरी की जाती है। मरीज कुछ समय के बाद ही रुटीन में लौट जाते हैं।

बचाव के तरीके

व्यायाम करते समय कमर पर उसका अधिक दबाव न आने पर ध्यान देना चाहिए। उठने-बैठने के तरीकों को ठीक करें। बैठते वक्त सीधे तन कर बैठें, कमर में झुकाव न लाएं। क्षमता से ज्यादा वजन न उठाएं और नरम बिस्तर की बजाए सपाट पलंग पर सोएं जिससे पीठ की मांसपेशियों को आराम मिले। कोई भी चीज उठाते समय घुटने मोड़कर नीचे बैठे, उठने के लिए घुटना सीधा करें।

लक्षण

शरीर के एक तरफ के हिस्से में दर्द होना, गर्दन से हाथों में दर्द होना, कमर से पैर में दर्द का चलना या सूनापन, ज्यादा देर तक चलने या बैठने पर दर्द होना।

मनोरंजन बॉलीवुड का कोना

शादी के लिए गोवा पहुंचे एक्ट्रेस रकुल प्रीत और जैकी भगनानी

रकुल प्रीत सिंह और जैकी भगनानी बस अब कुछ ही दिनों में एक दूजे के हो जाएंगे. 21 फरवरी को बॉलीवुड का ये कपल शादी के बंधन में बंधने जा रहे हैं, जिसमें उनके परिवार के अलावा कुछ करीबी दोस्त शामिल होंगे. वहीं अब दोनों अपने इस डेस्टिनेशन वेडिंग के लिए गोवा पहुंचे चुके हैं. सोशल मीडिया पर एक वीडियो सामने आया है, जहां दोनों स्टार्स अपनी फैमिली के साथ गोवा एयरपोर्ट पर स्पॉट हुए हैं. इस दौरान रकुल ऑरेंज कलर के कॉर्ड-सेट में दिखाई दी, तो वहीं होने वाले दूल्हे राजा प्रिंटेड शर्ट और ब्लैक पैंट पहने काफी फंकी लुक में नजर आए. सोशल मीडिया पर उनका ये वीडियो खूब वायरल हो रहा है.

कपल करेंगे इको फ्रेंडली वेडिंग

बता दें कि रकुल और जैकी गोवा में समुंद्र किनारे सात फेरे लेंगे. वहीं खास बात बता दें कि दोनों इको फ्रेंडली वेडिंग करने वाले हैं. दोनों की शादी में किसी भी तरह की आतिशबाजी देखने को नहीं मिलेगी. कपल ने शादी का इनविटेशन कार्ड भी नहीं छपवाया है. इतना ही नहीं, रकुल और जैकी ने शादी वाले दिन पेड़ लगाने का तय किया है. बता दें कि शादी में 'नो फोन पॉलिसी' भी होगी. हिंदुस्तान टाइम्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक, रकुल और जैकी की शादी में मेहमानों को फोन इस्तेमाल करने की इजाजत नहीं है।

लॉकडाउन में शुरू हुई थी लव स्टोरी

ये बात काफी कम लोगों को पता है कि रकुल और जैकी की लव स्टोरी कोविड में शुरुआत हुई थी. लॉकडाउन के दौरान दोनों एक कॉमन फ्रैंड के जरिए मिले थे. दोनों की दोस्ती हुई और फिर धीरे धीरे ये दोस्ती प्यार में बदल गई. वहीं साल 2022 में रकुल प्रीत और जैकी भगनानी के अपना रिलेशनशिप कंफर्म किया था. एक्ट्रेस ने जैकी संग एक रोमांटिक फोटो शेयर कर दुनिया के सामने अपना ये रिश्ता कबूल किया था. बता दें फैंस उनकी शादी को लेकर बेहद एक्साइटेड हैं. वीडियो पर कमेंट्स की बाढ़ आ गई है।

अमिताभ बच्चन ने इंडस्ट्री में पूरे किए 55 साल, एआई ने दिया खास तोहफा

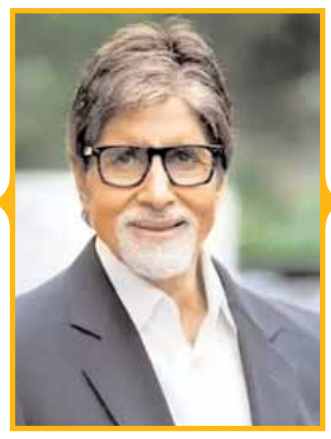

बॉलीवुड के शहंशाह अमिताभ बच्चन ने अपने फिल्मी करियर में बॉलीवुड को कई हिट फिल्में दी हैं। बिग बी करीब पांच दशक से इंडस्ट्री में हैं। 1969 में उन्होंने फिल्म 'सात हिंदुस्तानी' से बॉलीवुड में डेब्यू किया। इसके बाद उन्होंने जंजीर, शोले, हेरा फेरी, परवरिश, त्रिशूल, नमक हलाल जैसी कई सुपरहिट फिल्में कीं। अमिताभ का ये सफर आसान नहीं था. हालांकि, उन्हें कई उतार-चढ़ाव का सामना करना पड़ा। अमिताभ बच्चन ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर जो तस्वीर शेयर की है, उसे एआई द्वारा बनाया गया है. एआई तकनीक से बनी इस तस्वीर में बिग बी का सिर कैमरों और फिल्म निर्माण मशीनों से भरा हुआ है। इस तस्वीर को शेयर करते हुए बिग बी ने कैप्शन में लिखा है- 'सिनेमा की इस अद्भुत दुनिया में 55 साल... और एआई ने मुझे विवरण दिया है।' बिग बी की इस पोस्ट पर एक्ट्रेस मौनी रॉय समेत कई सेलेब्स और फैन्स ने रिएक्ट किया है और उन्हें हिंदी सिनेमा में 55 शानदार साल पूरे करने पर बधाई दी है। 55 साल पूरे होने के बाद भी बिग बी आज भी फिल्मों में काफी एक्टिव हैं। इस उम्र में भी कई युवा सितारे उनके जितने एक्टिव नहीं होंगे। उनकी कई फिल्में पाइपलाइन में हैं. अमिताभ बच्चन इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'कल्कि एडी 2898' को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म में उनके साथ साउथ सुपरस्टार कमल हासन और प्रभास भी नजर आएंगे। इस फिल्म के अलावा, बिग बी रिभु दासगुप्ता की सेक्शन 84 में दिखाई देंगे। इसके अलावा, वह तमिल फिल्म वेट्टैयान में मेगास्टार रजनीकांत के साथ फिर से जुड़ने के लिए तैयार हैं।

कार्तिक की फिल्म 'आशिकी 3' को मिला नया टाइटल

कार्तिक आर्यन की अपकमिंग मूवी 'आशिकी 3' को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। मूवी लेकर बड़ी रिपोर्ट आई है कि फिल्म का नाम बदल दिया गया है। इस मूवी में कार्तिक के साथ तृप्ति डिमरी भी दिखाई देने वाली हैं। कार्तिक आर्यन की मूवी को लेकर हाल ही में बड़ा बदलाव हुआ है। तृप्ति डिमरी के साथ कार्तिक की रोमांटिक मूवी आशिकी 3 का नाम बदल दिया गया है। इस मूवी का कनेक्शन 80 के दशक में आई शशि कपूर की मूवी से बताया जा रहा है। आइये जानते हैं क्या है पूरा मामला। लास्ट फिल्म भूल भुलैया से दर्शकों के भरपूर एंटरटेनमेंट करने वाले कार्तिक आर्यन की अपकमिंग मूवी आशिकी 3 का नाम बदलकर 'तू आशिकी है' रख दिया गया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक आशिकी 3 फिल्म का नाम बदल कर 'तू आशिकी है' रख दिया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक ये मूवी 'तू आशिकी है' 1981 की फिल्म बसेरा पर बेस्ड है जिसमें एक्टर शशि कपूर और एक्ट्रेस राखी और रेखा ने जबरदस्त एक्टिंग की थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म इस साल के अंत तक फ्लोर पर जाएगी।

रिलेशनशिप को लेकर विवादों में घिरी दीपिका को मिला हुमा कुरैशी का समर्थन, ट्रोल्स को दिया मुंहतोड़ जवाब

पिछले साल करण जौहर के चैट शो कॉफी विद करण सीजन 8 में दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह की मौजूदगी ने खूब सुर्खियां बटोरी थीं. दोनों ने कुछ ऐसे बयान दिए थे, जिसके बाद इस जोड़ी को काफी ट्रोलिंग झेलनी पड़ी थी, खासकर दीपिका को। दीपिका पादुकोण ने एक सेगमेंट में कहा था कि शुरुआत में वह रणवीर सिंह को लेकर सीरियस नहीं थीं और उनके साथ रिलेशनशिप में रहते हुए उन्होंने कई अन्य लोगों को भी डेट किया था। हालांकि, आख़िर में दोनों को एक-दूसरे के लिए प्यार का एहसास हुआ। इस खुलासे से लोग हैरान रह गए. इस बयान ने एक्ट्रेस को मुसीबत में डाल दिया था और सोशल मीडिया पर उन्हें बुरी तरह ट्रोल भी किया गया था। अब दीपिका पादुकोण की आलोचना पर हुमा कुरेशी की प्रतिक्रिया सामने आई है. एक्ट्रेस ने दीपिका का समर्थन करते हुए कहा है कि लोग कुछ भी करें, ट्रोलिंग तो होनी ही है. आफ्टर आवर्स विद ऑल अबाउट ईव में हुमा ने दीपिका का बचाव करते हुए कहा- हम क्या कह सकते हैं? कुछ कह नहीं सकते. यह बेतुका है। इसमें समस्या क्या है? नहीं, लेकिन हम सेलेब्स उस तरह की स्वादिष्ट चीज़ पेश करने जा रहे हैं जिसकी वे (ट्रोल्स) उम्मीद कर रहे थे।

राजकोट टेस्ट का चौथा दिन

यशस्वी के 150 रन पूरे, शुभमन 91 बनाकर आउट, भारत 400 के पार

राजकोट, एजेंसी

भारत और इंग्लैंड के बीच 5 टेस्ट की सीरीज का तीसरा मुकाबला राजकोट में खेला जा रहा है। निरंजन शाह स्टेडियम में पहली पारी में भारत ने 445 और इंग्लैंड ने 319 रन बनाए। फिलहाल चौथे दिन के दूसरे सेशन का खेल जारी है। भारत ने अपनी दूसरी पारी में 4 विकेट के नुकसान पर 316 रन बना लिए हैं। यशस्वी जायसवाल और सरफराज खान क्रीज पर हैं। यशस्वी 150 रन पूरे कर चुके हैं। शुभमन गिल 91 रन बनाकर आउट हुए। शनिवार को यशस्वी 104* रन बनाकर रिटायर्ड हुए थे। वह आज शुभमन के बाद फिर से बैटिंग करने उतरे। टीम इंडिया ने रविवार को 196/2 के स्कोर से अपनी दूसरी पारी आगे बढ़ाई थी। टीम की बढ़त 400 रन के पार हो चुकी है। चौथे दिन के पहले सेशन में भारत ने 196/2 के स्कोर से आगे खेलना शुरू किया। शुभमन गिल और कुलदीप यादव ने 55 रन की पार्टनरशिप की। शुभमन 91 रन बनाकर रनआउट हो गए।

टीम इंडिया ने पारी बढ़ाई

टीम इंडिया ने 314/4 के स्कोर से दूसरे सेशन में अपनी दूसरी पारी आगे बढ़ाई। यशस्वी ने 149 और सरफराज ने 22 रन के निजी स्कोर से आगे खेलना शुरू किया। इंग्लैंड से जेम्स एंडरसन ने पहला ओवर फेंका। रविचंद्रन अश्विन ने फैमिली इमरजेंसी के कारण राजकोट टेस्ट में बीच में छोड़ दिया। वह अपने घर पहुंचे और सिचुएशन संभाली। वह टेस्ट के दूसरे दिन अपने घर गए थे, वह तीसरे दिन फील्ड पर नहीं उतर सके। अश्विन अब चौथे दिन के खेल में शामिल होने के लिए वापसी कर चुके हैं।

बढ़त 440 रन की हो गई

शनिवार को रिटायर्ड हर्ट हुए यशस्वी जायसवाल शुभमन के विकेट के बाद बैटिंग करने उतरे। उन्होंने सरफराज खान के साथ फिफ्टी पार्टनरशिप कर ली। सेशन खत्म होने तक टीम का स्कोर 314/4 रहा और बढ़त 440 रन की हो गई। सेशन में भारत ने 31 ओवर बैटिंग कर 118 रन बनाए। यशस्वी और सरफराज के बीच फिफ्टी पार्टनरशिप पूरी हो चुकी है। यशस्वी ने लंच सेशन के ठीक पहले रेहान अहमद के खिलाफ लॉन्ग ऑन की दिशा में सिक्स लगाया। इसी के साथ उनकी सरफराज के साथ हाफ सेंचुरी पार्टनरशिप भी पूरी हो गई।

आईसीसी महिला वनडे रैंकिंग में चौथे स्थान पर पहुंचीं स्मृति

नईदिल्ली, एजेंसी

भारतीय महिला टीम की स्टार खिलाड़ी स्मृति मंधाना को आईसीसी द्वारा जारी ताजा वनडे रैंकिंग दो पायदान का फायदा हुआ है। इसी के साथ ही मंधाना आईसीसी रैंकिंग में चौथा स्थान पर पहुंच गई है। जबकि इंग्लैंड की नट शिवर ब्रंट,ऑस्ट्रेलिया की बेथ मूनी और , श्रीलंका की चामरी अथापथु शीर्ष तीन स्थानों पर काबिज हैं। मंधाना को उनके लगातार अच्छे प्रदर्शन का ईनाम मिला है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मंधाना का शानदार प्रदर्शन ने न केवल उनकी टीम को जीत दिलाई बल्कि उन्हें रैंकिंग की सीढ़ी पर भी पहुंचा दिया। जबकि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खराब प्रदर्शन के बाद दक्षिण अफ्रीका की लौरा वोल्वार्ड्ट पांचवें स्थान पर खिसक गईं। उनके निराशाजनक प्रदर्शन ने उन्हें अपनी पिछली रैंकिंग छोड़ने पर मजबूर कर

दिया, जिससे मंधाना के आगे बढ़ने का रास्ता साफ हो गया।

बता दें कि सिर्फ बल्लेबाजों की ही रैंकिंग में बदलाव नहीं हुआ है। ऑलराउंडर्स और गेंदबाजों की रैंकिंग भी परिवर्तन हुआ है। दक्षिण अफ्रीका की एलिस-मैरी मार्क्स ऑलराउंडरों की रैंकिंग में 34 स्थान ऊपर 75वें स्थान पर पहुंच गई। इस बीच, ऑस्ट्रेलिया की किम गार्थ का 36वें नंबर पर पहुंचना और अलाना किंग का 19वें नंबर पर पहुंच गई है। गेंदबाजी विभाग में मारिजने कप्प का केवल इंग्लैंड की सोफी एक्लेस्टोन के बाद नंबर 2 पर हैं।

युवराज की कप्तानी में खेलेंगे राशिद खान और बाबर आजम

इस्लामाबाद, एजेंसी

न्यूयॉर्क सुपरस्टार स्ट्राइकर्स ने आगामी लीजेंड्स क्रिकेट ट्रॉफी सीजन 2 के लिए दिग्गज भारतीय खिलाड़ी युवराज सिंह को कप्तान और आइकन खिलाड़ी के रूप में साइन किया है।

युवराज के नेतृत्व वाली टीम में बाबर आजम, राशिद खान, कीरोन पोलार्ड, इमाम उल हक, नसीम शाह, रहमानुल्लाह गुरबाज़ , मथिशा पथिराना, मोहम्मद आमिर और आसिफ अली शामिल हैं। युवराज के टीम में शामिल होने पर अपना उत्साह व्यक्त करते हुए, सागर खन्ना ने कहा, हम युवराज सिंह को अपने कप्तान और आइकन खिलाड़ी के रूप में पाकर रोमांचित हैं। उनकी अद्वितीय प्रतिभा और सिद्ध नेतृत्व निस्संदेह टीम के प्रदर्शन को ऊपर उठाएगा। टीम के मिशन पर प्रकाश डालते हुए, सागर खन्ना ने कहा, न्यूयॉर्क सुपरस्टार स्ट्राइकर्स के साथ हमारा मिशन गेमप्ले और कौशल दोनों में अब तक की सबसे मजबूत टीम बनना है। युवराज सिंह के नेतृत्व में हम इस परिकल्पना को साकार करने के लिए तैयार हैं।

उत्साह व्यक्त करते हुए कहा, ÷हम युवराज सिंह को अपने कप्तान और आइकन खिलाड़ी के रूप में पाकर रोमांचित हैं। उनकी अद्वितीय प्रतिभा और सिद्ध नेतृत्व निस्संदेह टीम के प्रदर्शन को ऊपर उठाएगा।

मेट्रो एंकर एफआईएच प्रो लीग: गुरजंत के गोल की बदौलत भारत ने आयरलैंड को हराया

भारतीय पुरुष हॉकी टीम का अगला मुकाबला कल स्पेन के खिलाफ

भुवनेश्वर, एजेंसी

भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने एफआईएच प्रो लीग 2023-24 में आयरलैंड को 1-0 से हराया। भारत बनाम आयरलैंड मुकाबला भुवनेश्वर के कलिंगा स्टेडियम में खेला गया। भारत के लिए गुरजंत सिंह (60वें मिनट) ने मैच का एकमात्र गोल किया। भारत और आयरलैंड मुकाबले में दोनों टीमों ने आक्रामक अंदाज में मैच की शुरुआत की और विश्व रैंकिंग में चौथे स्थान पर काबिज भारत ने तीसरे मिनट में ही एक पेनल्टी कॉर्नर हासिल कर लिया, लेकिन वर्ल्ड रैंकिंग में 11वें स्थान पर मौजूद आयरलैंड के डिफेंस के आगे भारतीय खिलाड़ी इस मौके को भुनाने में असफल रहे। वहीं, हरमनप्रीत सिंह एंड कंपनी के बेहतरीन डिफेंस के आगे आयरलैंड खिलाड़ियों को गोल करने का कोई मौका नहीं मिला। इस तरह पहले क्वार्टर की समाप्ति तक कोई भी टीम गोल

हासिल करने में सफल नहीं हुई। दूसरे क्वार्टर में भारतीय हॉकी खिलाड़ियों ने अपने अटैक में तेजी लाई और 20वें और 24वें मिनट में दो पेनल्टी कॉर्नर हासिल किए, लेकिन खिलाड़ी उसे विपक्षी गोल पोस्ट में पहुंचाने में असफल रहे। इस तरह हाफ टाइम तक दोनों टीमें गोल करने में असफल रहीं। मुकाबले के 42वें मिनट में भारत ने एक और पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया और आकाशदीप ने अमित रोहिदास को गेंद पास की, लेकिन विपक्षी गोलकीपर कैर ने इसे आसानी से सुरक्षित कर लिया। भारतीय खिलाड़ियों ने अपने गोल करने का प्रयास जारी रखा और 46वें और 51वें मिनट में दो और पेनल्टी कॉर्नर को गोल में तब्दील करने का प्रयास किया, लेकिन आयरलैंड के डिफेंस के आगे भारतीय टीम को कोई सफलता नहीं मिली। भारत बनाम आयरलैंड मुकाबला तब और रोमांचक हो गया, जब आखिरी समय में गुरजंत सिंह ने विपक्षी खिलाड़ियों को चकमा देते हुए फील्ड गोल कर भारत के लिए विजयी गोल किया। वहीं दूसरी तरफ पूरे मैच में आयरलैंड के खिलाड़ी भारतीय डिफेंस के आगे बेबस नजर आए। इस तरह भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने आयरलैंड के खिलाफ 1-0 से जीत दर्ज की।

खुशनुमा धूप...

भोपाल। बादलों का दौर बीतने के बाद अब सुबह खुशनुमा धूप है। रविवार की सुबह कई परिवार बोट क्लब पर घूमने पहुंचे।

सड़क दुर्घटना में घायल मरीज के परिजन ने लिया निर्णय

हमीदिया अस्पताल में पहली बार त्वचादान की गई

भोपाल, दोपहर मेट्रो

राजधानी के हमीदिया अस्पताल में पहली बार त्वचादान की गई है। दान की गई त्वचा का इस्तेमाल जले हुए या हादसों में घायल मरीजों के लिए किया जाएगा। दरअसल, गिरीराज बख्शी की गुना में एक सड़क दुर्घटना में घायल हो गए थे। उनको सिर में चोट थी। हमीदिया अस्पताल में उन्हें दो दिन तक आईसीयू में रखा गया। हमीदिया अस्पताल में 17 फरवरी को गुना निवासी गिरीराज बक्शी (60) का निधन हो गया था। इसके बाद उनके परिजन ने गिरीराज बक्शी के नेत्रदान और त्वचा दान करना कराने का निर्णय लिया था।

यह टीम रही मौजूद

किरण फाउंडेशन द्वारा गांधी मेडिकल कालेज ने पहली बार त्वचा दान हुआ है। गिरीराज बख्शी के नेत्रदान की यह प्रक्रिया गांधी मेडिकल कालेज में नेत्र विभाग से डॉ. कविता कुमार की टीम ने की। इसके अलावा त्वचा दान डॉ आनंद गौतम की उपस्थित कराया गया।

करबला क्षेत्र की घटना परिचित महिला की बेटी पर संदेह

वकील के घर से डायमंड और सोने के जेवर चोरी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

कोहेफिजा थाना क्षेत्र स्थित वीआईपी रोड करबला में रहने वाले एक वकील के सूने मकान से डायमंड और सोने के जेवर चोरी होने का मामला सामने आया है। वकील ने परिचित महिला की बेटी पर संदेह व्यक्त किया है। अधिवक्ता का कहना है कि वह अपने घर में ताला नहीं लगाते। महिला की बेटी के घर उनका आना जाना है और वह घर पर खाना भी बनाती है।

फाइल फोटो

पुलिस के अनुसार ललवानी हाउस वीआईपी रोड करबला निवासी 58 साल के अतुल ललवानी पेशे से वकील हैं। 2 फरवरी को वह सुल्तानिया रोड स्थित बैंक ऑफ इंडिया के लॉकर से जेवरात निकालकर लाए थे। सारे जेवरात उन्होंने अपने घर की अलमारी में सुरक्षित रख दिए। शुक्रवार 16 फरवरी की सुबह करीब 11 बजे उन्होंने अपनी अलमारी चेक की तो उसमें रखा जेवर से भरा बैग नहीं था। उसके स्थान पर दूसरे जेवरात रखे मिले। जबकि उन्होंने अपनी अलमारी के लॉकर में बैग में चार माला सेट हीरा के, एक मंगलसूत्र डायमंड का, एक सेट कान का बालियां, ए माला मोती की रखे थे। वकील ने शिकायत दर्ज कराते हुए बताया कि कि उनके मकान में पहली मंजिल पर परिचित महिला रहती हैं। उनकी बेटी डीपीएस स्कूल में पढ़ती है। उनकी बेटी घर आना-जाना है और खाना बनाती है। वह घर की देखभाल भी करती है। घर में रखे सारे सामान की जानकारी उसे है। वकील ने कहा कि वह अपने घर में ताला नहीं लगाते।

बढ़ती चोरियों का विरोध : शंकराचार्य फ्लावर सिटी के रहवासी परेशान

भोपाल। राजधानी के बागसेवनिया थाना क्षेत्र स्थित शंकराचार्य फ्लावर सिटी के रहवासी चोरों और आसामाजिक तत्वों से परेशान है। एक सप्ताह पूर्व यहां राखी कंस्ट्रक्शन द्वारा बनाए गए दो मकानों में चोरी की वारदात हुई ?थी। पुलिस थाने में दोनों चोरियों की एफआईआर भी दर्ज की जा चुकी है, लेकिन चोरों का सुराग नहीं लगा है। रहवासी कालोनी में हुई चोरी के बाद रहवासियों ने कॉलोनी की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े किए है। रहवासियों का कहना है ?कि बिल्डर सतीश विश्वकर्मा को कई बार सुरक्षा व्यवस्था ठीक करने के लिए कह चुके हैं। बावजूद इसके यहां चोरी की घटनाएं हो रही है। कॉलोनी का मैंटेनस एवं रख रखाव बिल्डर द्वारा ही किया जाता है। बावजूद इसके सुरक्षा व्यवस्था ठीक नहीं की जा रही है। कॉलोनी के लोगों कहा कहना है ?कि यहां सुरक्षा के लिहाज से लगाए गए सीसीटीवी कैमरे भी खराब पड़े हुए हैं।

फाइल फोटो

घर में खाली बैठने पर लगाई थी पिता ने फटकार तो ट्रेन से कटकर दे दी जान

भोपाल, दोपहर मेट्रो

निशातपुरा थाना क्षेत्र स्थित भोपाल विदिशा नई रेलवे ट्रैक पर शुक्रवार शाम ट्रेन से कटकर जान देने वाले युवक की पुलिस ने पहचान कर ली है। युवक पिता की फटकार से दुखी होकर घर से निकला?था और रेलवे ट्रैक पर ट्रेन से कटकर जान दे दी। दरअसल, बेटा सूखे नशे करने का आदी हो गया था और कामकाज नहीं करता?था। पिता ने उसे घर से बाहर निकलने और कुछ कर दिखाने की बात कह दी थी। इसी से नाराज होकर उसने आत्महत्या कर ली।

पुलिस के अनुसार शुक्रवार शाम करीब पौने दस बजे के आसपास सूचना मिली?थी कि भोपाल विदिशा नई रेलवे ट्रैक पर किसी युवक का क्षत विक्षत शव पड़ा हुआ है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने रितिक रैकवार पिता श्यामलाल (20) गैस राहत कॉलोनी, हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में रहता?था। वह सूखे नशे करता?था। पिता ने उसे नशा नहीं करने की समझाइश दी थी। शुक्रवार शाम पिता से उसकी इसी बात को लेकर कहासुनी हुई और वह घर से निकल गया। रात करीब आठ बजे के आसपास उसने ट्रेन से कटकर आत्महत्या कर ली। पौने दस बजे पुलिस को सूचना मिली और पुलिस ने शव बरामद कर पीएम के लिए भेज दिया। पुलिस ने इलाके में मृतक का हुलिया दिखाया और सोशल मीडिया पर उसके फोटो वायरल किए थे। इसके बाद उसकी शिनाख्त करते हुए शव परिजन को सौंप दिया गया।

अवधपुरी में आर्थिक तंगी से परेशान होकर युवक ने लगाई फांसी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

अवधपुरी थाना क्षेत्र स्थित बालाजी नगर झुग्गी में एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उसकी लाश पड़ोस में रहने वाली बहन ने फांसी के फंदे पर लटकी देखी थी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया, लेकिन सुसाइड नोट नहीं मिला। प्राथमिक जांच में यह बात सामने आई कि मृतक की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं थी। अनुमान है कि आर्थिक तंगी से परेशान होकर उसने यह कदम उठाया है।

पुलिस के अनुसार कल्लू गोविंद चौहान (40) एसओएस बालग्राम के पास बालाजी नगर, झुग्गी में रहता था और मजदूरी करता था। उसकी पत्नी और बच्चे मायके गए हुए थे। पड़ोस में कल्लू की बहन तुलसा ठाकुर रहती हैं। कल्लू और तुलसा ठाकुर की झुग्गी के बीच दीवार में एक खिड़की है। तुलसा ने पुलिस को बताया कि शनिवार सुबह उसने भाई को आवाज दी थी, लेकिन उसने दरवाजा नहीं खोला। बार-बार आवाज देने के बाद भी दरवाजा नहीं खुला तो तुलसा बाई ने परिवार के साथ मिलकर बीच वाली खिड़की तोड़ी थी। खिड़की तोड़ने पर कल्लू गोविंद की लाश फांसी के फंदे पर लटकी नजर आई।

फाइल फोटो

मेट्रो एंकर नक्सलियों से पिस्टल एवं प्रतिबंधित संगठन सीपीआई (माओवादी) का साहित्य बरामद

नक्सलियों का शहरी क्षेत्र में विस्तार का था प्लान, एटीएस ने किया ध्वस्त

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश के मंडला क्षेत्र में गतवर्ष अगस्त महीने में 'एंटी टेररिस्ट स्क्वॉड' (एटीएस) द्वारा नक्सलियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए चार नक्सलियों को गिरफ्तार कर बड़ी मात्रा में हथियार और नकदी बरामद की थी। इस संबंध में थाना एटीएस, एसटीएफ भोपाल में अपराध दर्ज किया था। प्रकरण में जांच के बाद 16 फरवरी 2024 को आरोपियों के खिलाफ प्रतिबंधित संगठन का सदस्य होने, पहचान छिपाने, सबूत मिटाने, कूटरचित दस्तावेज तैयार कर उसका उपयोग करने एवं पिस्टल मय कारतूस के बरामद होने पर विशेष न्यायालय जबलपुर में अभियोग पत्र प्रस्तुत किया गया।

इस तरह नक्सलियों की योजना को किया विफल

गतवर्ष मंडला क्षेत्र में नक्सलियों के वरिष्ठ कैडर के आने की सूचना प्राप्त होने पर पुलिस द्वारा त्वरित कार्यवाही की गई। इस दौरान 21 अगस्त 2023 को मुखबिर से सूचना मिली कि नक्सली जबलपुर आने वाले है। सूचना पर एटीएस ने घेराबंदी करते हुए अशोक रेड्डी उर्फ बलदेव निवासी गोलकुंडा तेलंगाना एवं उसकी पत्नी रैमती उर्फ कुमारी पोटाई निवासी जिला नारायणपुर, छत्तीसगढ़ को जबलपुर से गिरफ्तार कर लिया। उनके पास से एक पिस्टल, 3 लाख रुपए से अधिक नकदी एवं प्रतिबंधित संगठन सीपीआई (माओवादी) का साहित्य बरामद करने में सफलता प्राप्त की। इस संबंध में थाना एटीएस, एसटीएएफ भोपाल में धारा 419 व 20 यूए (पी) एक्ट, 1967 और 25/27 आर्म्स एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया। इस प्रकार मध्यप्रदेश ऋएंटी टेररिस्ट स्क्वॉडऋ (एटीएस) ने नक्सलियों द्वारा प्रदेश के अर्बन क्षेत्र में ठिकाने बनाने की योजना का पदार्फाश किया गया। अनुसंधान के दौरान आरोपियों की निशानदेही पर नक्सली सह्योगी धनसिंह पुंगाटी एवं छेरकूराम तुलावी को भी गिरफ्तार कर प्रकरण में धारा 201, 467, 468, 471 भादंवि एवं धारा 19 यूए (पी) एक्ट, 1967 का इजाफा किया गया।

82 लाख का इनामी है आरोपी

अशोक रेड्डी प्रतिबंधित संगठन सीपीआई (माओवादी) की दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी का सदस्य है और उसकी पत्नी रैमती उर्फ कुमारी पोटाई, एरिया कमेटी मेंबर उत्तर बस्तर क्षेत्र में पार्टी के लिए माओवादी साहित्य, पर्चे, प्रेस विज्ञप्ति, बैनर, पोस्टर आदि छपवाने का काम संभालती थी। आरोपी अशोक रेड्डी के विरुद्ध तेलंगाना, छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र में हत्या, हत्या का प्रयास, डकैती, बलवा, पुलिस पर हमला, अपहरण और आगजनी सहित विस्फोटक अधिनियम, आर्म्स एक्ट एवं यूए (पी) एक्ट से संबंधित 60 से अधिक गंभीर अपराध पंजीबद्ध हैं। सीपीआई (माओवादी) की दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी का सदस्य होने के कारण तेलंगाना, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश में कुल मिलाकर 82 लाख रुपए का इनाम घोषित है। आरोपी अशोक रेड्डी का मुख्य कार्य क्षेत्र तेलंगाना एवं छत्तीसगढ़ राज्य रहा है, किंतु इसकी मध्यप्रदेश के अर्बन क्षेत्र में नक्सल कैडर एवं नेटवर्क को मजबूत करने की योजना थी।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022